श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी-त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 19 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 जुलाई 2025 मंगलवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

संसद से सियासी गलियारों तक तैर रहा सवाल, बिहार के हरिवंश का नाम उभरा

धनखड़ के इस्तीफा-बम की धुंध छंटने का इंतजार, सामने आएगी वजह !

नई दिल्ली, एजेंसी, दोपहर मेट्रो

देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफा-बम से सियासी गलियारों में उठी 'धुंध' अभी तक साफ नहीं हो सकी है। धनखड़ का कार्यकाल 2027 तक था। वह कार्यकाल पूरा न करने वाले देश के तीसरे उपराष्ट्रपति बन गए। मगर इस्तीफे की असल वजह की तलाश में सभी हैं। बताया जाता है कि धनखड़ सदन की कार्यवाही के बीच में शाम करीब साढे चार बजे बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की दूसरी मीटिंग ले रहे थे तब सत्तापक्ष के प्रतिनिधि व सूचना प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने अनुरोध किया कि बैठक को मंगलवार को रिशेड्यूल कर दें।

जबकि धनखड़ मीटिंग में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की गैरमौजूदगी से नाराज थे। वहीं कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने धनखड़ के इस्तीफे को बिहार विधानसभा चुनाव से जोड़कर कहा कि धनखड़ के इस्तीफे की पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी। कल सदन में जेपी नड्डा ने कहा था कि मेरे शब्द रिकॉर्ड में दर्ज होंगे, यह बात सीधे तौर पर चेयर का अपमान था। भगत ने कहा कि भाजपा चुनाव को ध्यान में रखते हुए हर फैसला लेती है। बिहार चुनाव नज़दीक हैं और राज्यसभा के उपसभापति बिहार से हैं लिहाजा भाजपा अब हरिवंश को उपराष्ट्रपति बना सकती है। भगत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने धनखड़ को परेशान किया और उन पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश की। उधर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भी कहा कि शाम की बैठक में सभी आए और नड्डा और रिजिजू का इंतज़ार करते रहे। हैरानी यह थी कि धनखड़ को व्यक्तिगत रूप से यह नहीं बताया गया। धनखड इससे आहत हुए, वहीं दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 4.30 बजे के बीच ज़रूर कुछ गंभीर बात हुई है। क्योंकि धनखड़ नियमों, प्रक्रियाओं और मर्यादाओं के पक्के थे। उन्हें लगता था कि उनकी भूमिका में इन बातों की अनदेखी हो रही है.

अब नड्डा दे रहे सफाई-बीएसी की मीटिंग में न आने को लेकर नड्डा ने कहा, 'मैंने और रिजीजू ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि हम किसी अन्य महत्वपूर्ण संसदीय कार्य में व्यस्त हो गए थे, जिसके पूर्व सूचना उपराष्ट्रपति दफ्तर को दे दी थी। 'नड्डा ने कहा कि इसके अलावा मैंन राज्यसभा में जो बात कही कि जो मैं बोल रहा वही ऑन रिकॉर्ड जाएगा, ये विपक्ष के टोका-टोकी करने वाले सांसदों के लिए था न कि चेयर के लिए।'

संसद नहीं पहुंचे धनखड़, दोनों सदन स्थगित, कई बैठकें

आज मानसून सत्र के दूसरे दिन उपराष्ट्रपति पद छोड़ चुके जगदीप धनखड़ राज्यसभा नहीं आए। उनकी जगह उपसभापति हरिवंश नरायण सिंह ने सदन की कार्यवाही में भाग लिया। सदन शुरू होते ही विपक्ष ने राज्यसभा-लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा शुरू कर दिया। इसके चलते दोनों सदन 12 बजे तक स्थगित कर दिये गये। आज कार्यवाही से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा समेत अन्य मंत्री भी शामिल हुए। संसद भवन परिसर में दोनों सदनों - लोकसभा और राज्यसभा के सदन नेताओं की बैठक भी हुई है। इसमें राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे।

सरकार से खाई या क्रेडिट की लड़ाई

वैसे कल का घटनाक्रम कई चीजों की ओर इशारा करता रहा। माना जाता है कि सरकार इस बात को लेकर सकते में आ गई थी कि जस्टिस वर्मा को हटाने को लेकर विपक्ष ने राज्यसभा में अचानक नोटिस दे दिया, जबकि लोकसभा में सरकार इस मुहिम को आगे बढ़ा रही थी। उधर विपक्ष गदगद था और इसे गुगली बता रहा था। सरकार अवाक थी कि इस तरह का नोटिस सिर्फ विपक्ष कैसे ला सकती है,इसका मतलब यह होता कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने का सारा क्रेडिट विपक्ष को चला जाता।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में सीएम की विदेश यात्रा के फलितार्थ पर बात

मप्र में विश्वसनीय डाटा सेंटर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएगी सरकार

भोपाल दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने स्पेन और दुबई के विदेश दौरे से लौटने के बाद कैबिनेट बैठक में मंत्रियों के साथ इन दोनों देशों में निवेश प्रस्तावों व मप्र की ब्रांडिंग के प्रतिसाद की जानकारी साझा की और इनके बरक्स अपना आगामी विजन भी बताया। मप्र को इन दौरों से 11 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने निवेश प्रस्तावों के आधार पर निवेश स्थल चयन पर भी प्रारंभिक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को बताया कि उनकी दो देशों की यात्रा के दौरान निवेश प्रस्ताव प्राप्त से लगभग 14,500 नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। यह यात्रा मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के नक्शे पर एक नई पहचान दिलाने वाली रही है और यूरोप तथा खाड़ी देशों में यह संदेश गया है कि मध्यप्रदेश निवेश के लिए मित्रवत राज्य है। उन्होंने कहा कि स्पेन में उद्यानिकी, फल उत्पादन और कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का बेहतरीन उपयोग देखा गया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश से कृषकों के अध्ययन दल स्पेन भेजे जाएंगे। इसके अलावा मप्र में एक विश्वसनीय डाटा सेंटर भी स्थापित करने पर चर्चा की गई है। यह विश्वसनीय और देश में श्रेष्ठ सेंटर्स में से एक होगा। इससे सरकार के सभी विभाग जानकारियों को एक्सचेंज कर सकेंगे। इसके लिये विशेषज्ञों की भी सेवा ली जा सकती है।

बताया जाता है कि बैठक में 28 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के लिए पहले अनुपूरक बजट और विधेयकों को भी कैबिनेट बैठक में मंजूरी के लिये लाया गया। हालांकि बैठक में एजेंडों पर चर्चा से पहले सीएम ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के अलावा किसानों को हो रही खाद की किल्लत पर भी मंत्रियों से फीडबैक लिया है तथा खाद वितरण बगैर किसी बाधा के आसानी से कराने के निर्देश दिये हैं। त्योहारों के चलते कानून व्यवस्था और बाढ़ राहत के इंतजामों पर भी मंत्रियों से जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है कि आज दोपहर में मुख्यमंत्री मप्र में अतिवृष्टि और बाढ से जूझ रहे क्षेत्रों में जारी राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे। देर शाम को वे हाल में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के प्रीमियर शो में मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को आज मंत्रालय में कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों ने सफल विदेश यात्रा की बधाई दी।

इन मुद्दों पर फैसले

आज कैबिनेट के समक्ष उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सम्राट विक्रमादित्य विवि करने, गांधी सागर बांध से जुड़े पावर जनरेशन प्लांट को अपग्रेड करने के विषय पर भी चर्चा की गई। इस प्लांट को मप्र व राजस्थान मिलकर अपग्रेड करेंगे और इस पर साढे चार सौ करोड का खर्च होगा।

कल से मप्र में फिर सघन होगा मानसून

पहाड़ों पर भारी बारिश व लैंडस्लाइड, कान्हा के बाघ को बहा ले गई बाढ़

भोपाल/नई दिल्ली,एजेंसी

मानसून मप्र समेत कुछर राज्यों में थोडा कमजोर जरूरी है लेकिन बाकी राज्यों में उसकी गरजचमक कम नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड का कहर है। इनकी चपेट मे आकर पांच मौत हो गई। जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। जबकि मध्यप्रदेश के मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघ बाढ़ में बह गया। बंजर नदी में बहते हुए इस बाघ को देखा गया। आज जबलपुर समेत प्रदेश के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार आज उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार के 27 और राजस्थान के 4 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में 24 जुलाई के आसपास एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में देश के कई राज्यों में फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।

आईआरसीटीसी से बुकिंग शुरू

मुंबई के लिए इंदौर से तेजस सुपरफास्ट ट्रेन कल से

इंदौर,दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की पहली तेजस सुपरफास्ट ट्रेन मुंबई से इंदौर के बीच कल 23 जुलाई को मुंबई से शुरू हो रही है। यह ट्रेन अगले दिन 24 जुलाई को इंदौर से रवाना होगी और सप्ताह में 3 दिन चलेगी। आईआरसीटीसी से बुकिंग शुरू हो गई है। इस ट्रेन का किराया तीन कैटेगरी में है। पहली कैटेगरी एसी 3 टियर है। जिसका किराया 1805 रुपए है। इसमें 1634 रुपए बेस फेयर के अलावा 40 रुपए रिजर्वेशन चार्ज, 45 रुपए सुपर फास्ट चार्ज और 86 रुपए जीएसटी शामिल है। दूसरी कैटेगरी एसी टू टियर का किराया 2430 रुपए है। जबकि तीसरी कैटेगरी एसी फर्स्ट क्लास है। जिसका किराया 3800 रुपए है। इसमें 3484 रुपए बेस फेयर, 60 रुपए रिजर्वेशन चार्ज, 75 रुपए सुपर फास्ट चार्ज और 181 रुपए जीएसटी शामिल है।

इजरायल के हमले में ईरान के एक सौ एथलीट मारे गए

तेहरान। जून में ईरान पर इज़रायली हमलों में ईरान के 100 एथलीट मारे गए। तस्नीम समाचार एजेंसी ने ईरानी खेल उप मंत्री मोह मद शेरविन असबाकियान के हवाले से यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह ईरान के शहीद और पूर्व सैनिक मामलों के फ़ाउंडेशन के प्रमुख सईद ओहादी ने कहा कि इज़रायल के जून के हमले में मरने वालों की सं या बढ़कर 1,062 हो गई है और 5,800 अन्य घायल हुए हैं। तेरह जून को इज़रायल ने ईरान पर गुप्त रूप से परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए उसके ख़िलाफ़ सैन्य अभियान शुरू किया। हवाई हमलों में परमाणु प्रतिष्ठानों, सैन्य नेतृत्व और हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया और कई सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

ढाका प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 27 पर

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश में ढाका के माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज परिसर पर वायुसेना का ट्रेनर विमान गिरने से मरने वालों का आंकडा 27 पर पहुंच गया है। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह स्कूल से टकरा गया। वायुसेना हाई-लेवल जांच कर रही है। मरने वालों में 25 छात्र, 1 शिक्षक और पायलट शामिल हैं। 171 से ज्यादा लोग घायल हैं।

ड्यूटी पर शहीद अग्निवीर के अंतिम संस्कार में उमड़ा शहर

राजगढ, एजेंसी। लद्दाख के लेह में हिमस्खलन की चपेट में आने से शहीद हुए मध्यप्रदेश के राजगढ़ के अग्निवीर हरिओम नागर (22) का अंतिम संस्कार आज सुबह पैतृक गांव टूटीयाहेड़ी में किया गया। शहीद की पार्थिव देह सोमवार को फ्लाइट से भोपाल लाई गई थी। सुबह सेना के वाहन से बोड़ा नाका पर पार्थिव शरीर लाया गया और 21 किलोमीटर लंबी अंतिम यात्रा शुरू हुई। राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ निकली यात्रा में स्कूली बच्चों समेत हजारों लोग शामिल हुए। यात्रा में सांसद रोडमल नागर और राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। रविवार को ड्यूटी के दौरान एक बड़े पहाड़ के टूटकर गिरने से अग्निवीर हरिओम नागर की मौके पर ही जान चली गई थी।

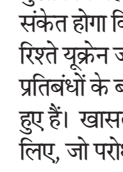

महाराष्ट्र के मंत्री-अफसरों का हनीट्रैप, राऊत ने जारी की तस्वीर

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने हनीट्रैप कांड को लेकर सीधे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को निशाने ले लिया है। राउत ने एक्स पर महायुति सरकार के एक मंत्री की तस्वीर को पोस्ट करके हनी ट्रैप स्कैंडल का दावा किया और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने सदन में गुमराह किया है। अब मुख्यमंत्री सीबीआई से इस तस्वीर की जांच करवा लें। राउत ने जो तस्वीर पोस्ट की है उसमें फडणवीस सरकार में मंत्री गिरीज महाजन को प्रफुल लोढ़ा मिठाई खिलाते दिख रहे हैं। लोढ़ा को हनीट्रैप के मामले में ही अरेस्ट किया गया है। राउत ने लिखा है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई हनीट्रैप नहीं हुआ, जबकि सच सामने आकर रहेगा। राउत ने दावा किया कि हनीट्रैप में चार मंत्री और कई ऑफिसर्स फंसे थे और उस वक्त पर चार युवा सांसद शिवसेना छोड़कर गए थे। उन्होंने ऐसा इसी हनीट्रैप के चलते किया था।

मेट्रो एंकर

दिल्ली में शिखर सम्मेलन की तैयारी, मास्को की नजर

पुतिन के भारत आने की आहट से अमेरिका में गर्माहट

नई दिल्ली, एजेंसी

लगभग चार साल बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने की उम्मीदें हैं और कई नये समीकरण बनने की चर्चा भी। इसीलिए अभी से पूरी दुनिया की राजनीति में रूसी राष्ट्रपति का भारत दौरा खास हो गया है। पुतिन का दौरा केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एक बड़ा संकेत होगा कि भारत और रूस के रिश्ते यूक्रेन जंग और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद मजबूत बने हुए हैं। खासतौर पर अमेरिका के लिए, जो परोक्ष या अपरोक्ष रूप से रूस के मित्र देशों पर शब्दिक हमले करता रहा है।

पुतिन की भारत यात्रा इसलिए भी अहम हो जाएगी क्योंकि भारत रूस शिखर सम्मेलन होगा और दोनों देश रणीनितक रूप से नए क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनायेंगे। बातचीत सिर्फ परंपरागत हथियारों या व्यापार पर नहीं बल्कि हाई टेक्नोलॉजी, आर्टिक क्षेत्र और न्यूक्लियर एनर्जी जैसे क्षेत्रों पर भी होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने पुष्टि की है कि भारत रूस समिट की मेजबानी इस बार दिल्ली करेगा। यानी रूसी राष्ट्रपति का आगमन होगा। पिछली बार ये सम्मेलन मॉस्को में हुआ था।

सूत्रों के अनुसार इस शिखर सम्मेलन के दौरान रक्षा उद्योग में सहयोग, ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी, परमाणु ऊर्जा सहयोग, आर्कटिक क्षेत्र में भारत की भूमिका का विस्तार और उच्च तकनीक क्षेत्र में संयुक्त रोडमैप पर काम जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। हाल ही में पुतिन ने खुलासा किया कि मोदी के अनुरोध पर रूस ने भारत को उर्वरक निर्यात बढ़ा दिया है, जिससे भारतीय खाद्य सुरक्षा मजबूत हुई है। वहीं, भारत और रूस के बीच नए परमाणु संयंत्र के दूसरे स्थान को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी इस शिखर सम्मेलन के दौरान पूरी हो सकती है।

अमेरिका और नाटो को आपत्ति

रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, भारत ने रूस से तेल खरीदना और रक्षा साझेदारी बनाए रखना जारी रखा है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से दूर रहे, खासकर उच्च तकनीक और सैन्य मामलों में। वहीं, नाटो देशों को चिंता है कि भारत का यह रवैया जी-7 और पश्चिमी दुनिया की रणनीति को कमजोर कर सकता है। हालाँकि, भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से निर्धारित करता है। रूस एक पुराना और विश्वसनीय सहयोगी है। पुतिन के बीच आखिरी बातचीत ऑपरेशन सिंदूर से पहले हुई थी। तब रूस ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का समर्थन किया था। इस सैन्य अभियान में रूसी रक्षा प्रणालियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिम्मेदार एजेंसियां चुप... बरखेड़ा पठानी की जर्जर सड़कों ने बढ़ाई परेशानी, गड्ढों में तब्दील

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर के भेल बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में सड़कों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बरसात के मौसम में यह गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो सड़क की मरम्मत की गई है और न ही गड्ढों को भरा गया है। गड्ढों की वजह से दुपहिया वाहन फिसल कर गिर रहे हैं और ट्रैफिक व्यवस्था भी चरमरा गई है। आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन नगर निगम और लोक निर्माण विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में कई कॉलोनियों और स्कूल-कॉलेजों का मार्ग इन्हीं टूटी सड़कों से होकर गुजरता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सड़क पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं है। व्यापारियों और दुकानदारों का भी कहना है कि खराब सड़कों के कारण ग्राहक आने से कतराने लगे हैं, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है।

क्षेत्रवासियों ने एक सुर में प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इन गड्ढों को भरा जाए और सड़कों की मरम्मत कराई जाए। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो रहवासी उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गड्ढों से भरी सच्चाई पर कब जागता है और कब तक लोग जान जोखिम में डालकर इन सड़कों पर चलने को मजबूर रहते हैं।

ऑरेंज लाइन का काम आगे बढ़ने की तैयारी

मेट्रो के लिए अब निशातपुरा की जमीनों पर प्रशासन की नजर

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का लगातार विस्तार होने से आधे शहर में अफरातफरी जैसी स्थिति है। हालांकि प्रोजेक्ट अभी अधूरा है। डेडलाइन बार-बार बढ़ रही है।मेट्रो रेल परियोजना के तहत अब निशातपुरा में 2.7052 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करने की तैयारी है। इसके लिए कुल 20 जमीनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 5 जमीनें निजी लोगों की हैं। अन्य 15 सरकारी, रेलवे और अन्य विभागों की हैं। उल्लेखनीय है कि भोपाल में अनुमोदित मेट्रो रूट ऑरेंज लाइन बोगदापुल से ऐशबाग-भोपाल रेलवे स्टेशन-नादरा बस स्टैंड-सिंधी कॉलोनी-डीआईजी बंगला कृषि उपज मंडी-करोंद तक है। ग्राम निशातपुरा, बैरागढ़ वृत्त, तहसील हुजूर की जमीन प्रस्तावित है। इसमें तीन जगह सरकारी रास्ता, नाला, नजूल की तीन, शिक्षा विभाग, रेलवे की तीन, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल और सचिव कृषि उपज मंडी समिति की जमीनें हैं। इस संबंध में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने

नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। अधिसूचना जारी होने की तारीख के 60 दिन के अंदर कोई भी इच्छुक व्यक्ति भूमि अर्जन के संबंध में अपनी शिकायत कलेक्टर के सामने पेश कर सकता है। गौरतलब है कि भोपाल में मेट्रो का एक चरण अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पित करने की तैयारी है। इसके लिए अभी एक रूट पर मेट्रो का ट्रायल भी जोर-जोर से चल रहा है।

उधर गोविंदपुरा के पिपलानी बी सेक्टर से खजूरी कला न्यू बायपास तक फोर लेन रोड बनाया जा रहा है। खजूरी कला के पास इसके 600 मीटर के हिस्से में टर्निंग के लिए अतिरिक्त जमीन की जरूरत पड़ रही है। इसके चलते अब खजूरी कला में तीन लोगों की 0.81 एकड़ निजी जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसको लेकर कलेक्टर ने 14 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी किया है।

इधर...3 साल में नहीं बन पाया बस स्टैंड, नादरा पर बोझ बढ़ा

हमीदिया रोड और बैरसिया रोड पर लगने वाले जाम को देखते हुए, शहर में पिछले करीब पांच साल से आरिफ नगर बस स्टैंड का निर्माण कार्य चल रहा है। नादरा बस स्टैंड के विकल्प के रूप में आरिफ नगर में बन रहे बस स्टैंड को करीब चार साल पहले पूरा हो जाना था। लेकिन, इसके इस साल के अंत तक भी पूरा होने की संभावना कम है। आरिफ नगर बस स्टैंड के शुरू नहीं हो पाने से रोजाना यात्रा करने वाले 20 हजार लोग सीधे तौर पर परेशान होते हैं। शहर की सड़कों पर जाम अलग से लगा रहता है।आरिफ नगर बस स्टैंड के बन जाने से पुतलीघर और नादरा बस स्टैंड पर रुकने वाली कई बसों को आरिफ नगर में ही रोक लिया जाएगा। लेकिन, काम में देरी के चलते बसों को नादरा बस स्टैंड पर ही खड़ा करना पड़ रहा है। आरिफ नगर बस स्टैंड के शुरू होने से हमीदिया और बैरसिया रोड पर लगने वाले जाम से निजात मिल सके ।नादरा पर बस स्टैंड की पर 4 करोड़ 84 लाख रुपए से पुरानी दुकानों को तोड़कर नई 139 दुकानें बनाई गई हैं। नादरा पर खड़ी होने वाली बसों को आरिफ नगर शिफ्ट किया जाएगा। जब तक आरिफ नगर बस स्टैंड का काम पूरा नहीं हो जाता है, तब तक बसें नादरा पर ही खड़ी होंगी। यहीं सिर्फ विदिशा के लिए परमिट के हिसाब से अधिकृत 35 बसें चलनी चाहिए। रात में इंदौर की बसें भी यहां से चलती हैं। आरिफ नगर बस स्टैंड का निर्माण नगर निगम करवा रहा है। इस पर 16 करोड़ से अधिक खर्च हो रहे हैं। बस स्टैंड पर फेज-3 का काम 4 करोड़ 83 लाख रुपए से किया जा रहा है। काम लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। यहां एक समय पर 150 बसें खड़ी की जा सकेंगी। आरिफ नगर बस स्टैंड का काम डेडलाइन के हिसाब से तीन साल पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था। फेज-3 में 100 लोगों के बैठने के लिए यात्री प्रतीक्षालय, दो सुलभ शौचालय और 30 दुकान बनना है।

यात्रियों को हो रही परेशानी

भोपाल में आउटर पर रोज ट्रेनें खड़ी रहने से ढाई किमी के सफर में लग रहा आधा घंटा

भोपाल दोपहर मेट्रो

निशातपुरा से भोपाल के बीच ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में ट्रेनों को आधा घंटे से अधिक लगे रहे हैं। बीना से भोपाल आने वाली ट्रेनों को अक्सर निशातपुरा आउटर पर 20 मिनट से लेकर एक घंटे तक रोक दिया जाता है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हालांकि इस रूट पर तीसरी रेल लाइन का संचालन शुरू हो चुका है, इसके बावजूद आउटर पर ट्रेनों को रोके जाने का सिलसिला अभी तक थमा नहीं है। इस समस्या से रोजाना दो हजार से अधिक यात्री प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में सरकारी व निजी कार्यालयों के कर्मचारी शामिल हैं। ट्रेनों की लेटलतीफी से उनके दफ्तर पहुंचने में देरी होती है।

प्लेटफार्म खाली होने के बाद ही मिलती है अनुमति

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भोपाल-इटारसी रेलखंड पर किसी मालगाड़ी या यात्री गाड़ी को रवाना करने के बाद करीब 20 मिनट तक ट्रैक निशातपुरा से भोपाल के बीच के लिए बंद रहता है। यही कारण है कि बीना से आने वाली ट्रेनों को आउटर पर रोका जाता है।

हालांकि अब तीसरी रेल लाइन के संचालन से उम्मीद है कि ट्रेनों को आउटर पर रोकने की जरूरत कम पड़ेगी। इस नई लाइन से बीना की ओर से आने वाली ट्रेनों को सीधे भोपाल स्टेशन तक लाया जा सकेगा, भले ही इटारसी की ओर का मुख्य ट्रैक व्यस्त हो।

यह रेल गाड़ियां होती हैं प्रभावित

राज्यरानी, विंध्याचल, बिलासपुर-भोपाल, जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस समेत करीब एक दर्जन ट्रेनों को रोजाना निशातपुरा आउटर पर रोका जाता है। ट्रेनों के समय पर स्टेशन न आने से यात्री असमंजस व मानसिक तनाव की स्थिति में रहते हैं।

कैटेक्स-9 वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल को मिला 'ओवरऑल चैंपियनशिप' का खिताब

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने वैष्णवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, भोपाल में आयोजित कैटेक्स-9 वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन किया है। 10 से 19 जुलाई 2025 तक चले इस शिविर में, स्कूल के कैडेट्स ने 'ओवरऑल चैंपियनशिप' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। इस शिविर में प्रदेश भर के लगभग 650 कैडेट्स ने हिस्सा लिया था, जहां मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

छात्रों ने फुटबॉल, ड्रिल, नृत्य, संगीत, एंकरिंग, स्विमिंग, वॉलीबॉल, रस्साकशी, चित्रकला और फायरिंग जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगभग 30 पुरस्कार जीते। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कैडेट यश प्रकाश श्रीवास्तव को बेस्ट कैडेट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने इस उपलब्धि पर कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास और राष्ट्र-निर्माण का एक प्रभावी मंच भी है। विद्यालय के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह और उप-प्राचार्या रेखा केवलानी ने भी एनसीसी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और छात्रों के समर्पण की सराहना की। इस शिविर में कृष्ण कुमार, सौभाग्य गंगारामानी, हितेश टिलवानी, पीयूष मूलानी, देव मोटवानी, तन्मय सोनकर, जतिन सीतलानी, मयंक बच्चानी, आरव पुरोहित, जोशुआ विंसी और गर्व सिंह सहित कुल 30 कैडेट्स शामिल रहे।

सात दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण, कार्ड का हुआ विमोचन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्रावण मास के पावन अवसर पर, हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला में सर्व ब्राह्मण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति द्वारा एक भव्य सात दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन को लेकर आज विधायक भगवानदास सबनानी ने कार्यक्रम के कार्ड का विमोचन किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष मनोज वर्मा और पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मनोज वर्मा और रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी श्रावण मास के दौरान सप्त दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह सात दिवसीय धार्मिक यात्रा 3 अगस्त को समाप्त होगी। समापन दिवस पर सुबह 10 बजे से शिवलिंग निर्माण का कार्य शुरू होगा, जिसके बाद दोपहर 2 बजे से पूजन किया जाएगा। शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

झूलेलाल विसर्जन घाट पर किया सघन पौधरोपण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बजरंग सेना समिति ने झूलेलाल विसर्जन घाट पर विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों का रोपण किया है। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी मानसून के आते ही यह पहल की गई है।

इस पौधरोपण अभियान में आंवला, एलोवेरा, नीम, बेलपत्र, शमी, वट और कटहल जैसे औषधीय और धार्मिक महत्व के वृक्ष शामिल किए गए हैं। इन रोपे गए पौधों की देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी नीरज मेहर को सौंपी गई है। इस नेक कार्य में समाजसेवी महेश खटवानी, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, अर्चक पुरोहित पं. राजकुमार गर्ग, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक, जगदीश सांवले, बृजकिशोर सेन और राजेश सहित कई सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मेट्रो एंकर | गुपचुप कराई जा रही है जांच

भोज विवि में छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं गुम, रिजल्ट अटका

भोपाल,दोपहर मेट्रो

भोज मुक्त विश्वविद्यालय मैं इन दिनों नया हड़कंप है। मामला बीए प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के परीक्षा की एक हजार उत्तर पुस्तिकाएं गुम हो जाने का है। इन उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन के लिए भेजा गया था। वहां से उत्तर पुस्तिका आने के बाद जब अंकपत्र पर अंक चढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई तब इसका पता चला। खबरों की माने तो इनके अभाव में विश्वविद्यालय बीए का परीक्षा परिणाम जारी नहीं कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि भोज विश्वविद्यालय की परीक्षाएं दिसंबर-जनवरी में हुई थीं। मूल्यांकन के बाद सभी संकायों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए, लेकिन बीए के तीनों वर्षों के परिणाम जारी नहीं हुए। बीए की परीक्षा में 45 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। पता चला कि इन कक्षाओं की करीब एक हजार उत्तर पुस्तिकाएं गायब हैं। इसके बाद से विश्वविद्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। आंतरिक तौर पर इसकी तलाश चल रही है, लेकिन अधिकारी इसको छिपाने की

कोशिश भी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि परीक्षा केंद्रों से कॉपियों को मूल्यांकन के लिए अलग-अलग केंद्रों पर विशेषज्ञों को आवंटित किया गया था। मूल्यांकन के बाद कॉपियां विश्वविद्यालय में आईं। जब अंकपत्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं को अंक चढ़ाना शुरू हुआ तब उनके गायब होने का पता चला। विश्वविद्यालय अभी तक उनका पता नहीं लगा पाया है। छह महीने बाद भी परिणाम जारी नहीं होने से विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई भी खटाई में पड़ती दिख रही है। बीए के विद्यार्थी परीक्षा परिणाम जारी नहीं होने से परेशान हो रहे हैं। वे अपना परिणाम जानने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट को बार-बार देख रहे हैं। यहां तक वे अध्ययन केंद्रों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संपर्क भी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई उचित जवाब नहीं दे रहा है, जिससे लेकर वह परेशान हो रहे हैं। वही इस मामले में अधिकारी दबी जुबान एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालने की कोशिश में है।

लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त ने आदेश पर अमल नहीं होने पर जताई नाराजगी

अतिथि शिक्षकों की आनाकानी जारी 80 फीसदी ने नहीं लगाई ई-अटेंडेंस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू की गई है। लेकिन विभाग का यह फार्मूला जुलाई के पहले पखवाड़े में बुरी तरह फेल होता नजर आ रहा है। जिसके चलते अब विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी फरमान में साफ कहा है कि अगर 18 जुलाई से ई-अटेंडेंस व्यवस्था के अनुरूप उपस्थितति दर्ज नहीं कराने वाले अतिथि शिक्षकों को अनुपस्थित माना जाएगा।

विभाग ने सभी जिलों अतिथि शिक्षकों की ई अटेंडेंस की सूची भी जारी की है और कहा है कि इस पर सख्ती से अमल कराएं। गौरतलब है कि विभाग ने एजुकेशन पोर्टल 3.0 में शिक्षकों के साथ अतिथि शिक्षकों के लिए हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ई अटेंडेंस लगाने की व्यवस्था एक जुलाई से शुरू की है जिसकी 15 दिन की समीक्षा में 80 फीसदी अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस नहीं लगाना पाया गया है।

15 दिन में सिर्फ डिंडोरी में 50 प्रतिशत ई-अटेंडेंस

विभाग ने सभी 55 जिलों की अतिथि शिक्षकों की जो ई अटेंडेंस रिपोर्ट जारी की है, उसमें सिर्फ डिंडोरी ही ऐसा जिला है जहां 50 प्रतिशत से अधिक अतिथि शिक्षकों ने ई अटेंडेंस लगाई है। यहां ई अटेंडेंस का प्रतिशत 57 है। इसके बाद झाबुआ में 48 प्रतिशत, खरगोन में 45 प्रतिशत, नरसिंहपुर और शहडोल में 44-44 प्रतिशत अतिथि शिक्षकों ने ई अटेंडेंस लगाई है। सबसे कम ई अटेंडेंस वाले जिलों में अनूपपुर का नाम है जहां 17 अतिथि शिक्षकों में से किसी ने भी एक भी दिन ई अटेंडेंस नहीं लगाई है। इसके अलावा निवाड़ी और अलीराजपुर में 7-7 प्रतिशत, मऊगंज और हरदा में 8-8 प्रतिशत अतिथि शिक्षकों द्वारा ई अटेंडेंस लगाने की रिपोर्ट सामने आई है।

सबसे अधिक गेस्ट टीचर छतरपुर, सबसे कम अलीराजपुर-

स्कूल शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक 2678 गेस्ट टीचर छतरपुर जिले में हैं जहां ई अटेंडेंस का प्रतिशत 38 है। इसके बाद सिंगरौली में 2551, शिवपुरी में 2456, सागर में 2464, विदिशा में 2190, कटनी में 2139 अतिथि शिक्षक काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सबसे कम 15 अतिथि शिक्षक अलीराजपुर में, 17 अनूपपुर में, 18 बड़वानी में, 27 झाबुआ में, 30 डिंडोरी में काम कर रहे हैं।

उपस्थिति एप के माध्यम से ही स्वीकार होगी

स्कूल शिक्षा विभाग ने चालू शैक्षणिक सत्र में पढ़ाने के लिए बुलाए गए अतिथि शिक्षकों की हमारे शिक्षक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने का फैसला किया है। इसके निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी करते हुए कहा गया है कि शिक्षकों की उपस्थिति एप के माध्यम से ही स्वीकार होगी। इस निर्देश को अतिथि शिक्षक नहीं मान रहे हैं, इसलिए लोक शिक्षण आयुक्त ने इस पर नाराजगी जताई है। विभाग द्वारा जारी निर्देश में इसे अत्यंत खेदजनक बताते हुए कहा गया है कि अस्सी फीसदी अतिथि शिक्षक एप के माध्यम से अटेंडेंस दर्ज नहीं कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। विभाग ने कहा है कि सभी अतिथि शिक्षकों को जानकारी भेजें कि अगर ई अटेंडेंस से अटेंडेंस नहीं लगी तो उनका मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इसलिए सभी अतिथि शिक्षक 18 जुलाई से अपनी अटेंडेंस लगाएंगे अन्यथा मानदेय से वंचित रहेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री की ओर से अपील प्रकरण खारिज

मप्र में 250 स्कूलों की मान्यता समाप्त, इनमें राजधानी के दस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की ओर से अपील प्रकरण खारिज किए जाने के बाद लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने मान्यता समाप्त करने संबंधी आदेश जारी किए हैं। प्रदेश के करीब 250 स्कूलों की मान्यता समाप्त की है। इसमें राजधानी के अंकुर स्कूल सहित दस स्कूल शामिल हैं। उक्त आदेश को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है दरअसल, प्रदेश में सबसे पहले नवीन मान्यता व मान्यता नवीनीकरण के प्रकरण संभागीय संयुक्त संचालकों के पास जाते हैं। वहां से मान्यता निरस्त होने के बाद पहली अपील आयुक्त लोक शिक्षण के पास होती है। वहां से मान्यता का प्रकरण खारिज होने के बाद दूसरी अपील विभागीय मंत्री के पास की जाती है। मंत्री की ओर से प्रकरण खारिज होने के बाद स्कूलों की मान्यता समाप्त कर दी जाती है। इस बार विभागीय मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के पास दूसरी अपील में तकरीबन तीन सौ स्कूलों की ओर से आवेदन किए गए थे।

50 स्कूलों को मान्यता जारी की गई

जानकारी के अनुसार, इस बार मंत्री की कमेटी ने 250 स्कूलों की अपील को अमान्य कर दिया है। प्रदेश के 50 स्कूलों को मान्यता जारी की गई है। राजधानी भोपाल में जिन स्कूलों की मान्यता समाप्त की गई है, उनमें प्रदेश की पहली महिला चीफ सेक्रेटरी निर्मला बुच का अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल भी शामिल है। इसके अलावा जवाहर चौक स्थित सेवन हिल्स, सर्वधर्म कोलार स्थित प्रीति हायर सेकेंडरी स्कूल, कोलार स्थित राजपुष्पा, पार्थ, ज्ञान कृष्णा समेत दस स्कूल शामिल है। इन स्कूलों में मान्यता समाप्त करने का कारण जमीन को बताया गया है।

मंत्री सारंग ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 38 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेला के समग्र विकास का संकल्प हमारी प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र को विकास, सुशासन और जनकल्याण की मुख्यधारा से जोड़ रही है। मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला के हर घर में नर्मदा जल के साथ ही सीएम राइज स्कूल, शासकीय कॉलेज, थीम आधारित आधुनिक पार्क, फ्लाईओवर, स्मार्ट सड़कों का नेटवर्क और आदर्श ड्रेनेज सिस्टम जैसी अधोसंरचनाएं क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेला के रहवासियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समृद्ध जीवन मिले इसके लिए हम कटिबद्ध हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायतों के निराकरण में नगरीय विकास दूसरे स्थान पर

भोपाल। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार नगरीय विकास विभाग ने शिकायतों के निराकरण में शानदार प्रदर्शन किया है। विभाग को कुल 49,867 शिकायतें प्राप्त हुईं थी, जिनमें से कुल 88.96 प्रतिशत अंक की ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। इस उपलब्धी ने विभाग को राज्य स्तर पर शिकायतों के निराकरण में दूसरे स्थान की रैंक दिलाई है। विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि हेल्पलाइन द्वारा प्राप्त आंकड़ों में यह साफ तौर पर दिखाई देता है कि नगरीय विकास विभाग ने अपनी जिम्मेदारी को सही ढंग से निभाया है और नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने में अच्छा प्रदर्शन किया है। इन आंकड़ों से यह भी जाहिर होता है कि विभाग की शिकायत निवारण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सक्षमता दोनों मौजूद हैं। दूसरी ओर नगर निगमों में सागर, छिंदवाड़ा और उज्जैन अव्वल स्थान पर रहे हैं।

मप्र कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में बोले राहुल गांधी

मप्र में चोरी किया गया था चुनाव, अब सतर्क रहें..

दोहपर मेट्रो, भोपाल/ मांडू

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धार जिले की पर्यटन नगरी मांडू में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में साफ कहा है कि कांग्रेस पार्टी को 95ब आबादी की लड़ाई लड़नी है। दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों के साथ ही सामान्य वर्ग के गरीबों की आवाज बनना है। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव में जीता था। उसके 4 महीने बाद बीजेपी स्वीप करती है। वह कोई मामूली स्वीप नहीं थी।

कांग्रेस के दो दिनी मांडू प्रशिक्षण दिवसीय शिविर के पहले दिन राहुल गांधी वर्चुअली जुड़े थे। उन्होंने कहा-जब हमने आंकड़े देखें तो वोटर लिस्ट की मांग की। हमें पता लगा कि लोकसभा और विधानसभा में एक करोड़ वोटरों का फर्क है। एक करोड़ नए वोटर विधानसभा में आए और उन्होंने वोट किया। जहां भी इन वोटरों ने वोट किया उन सीटों पर बीजेपी जीत गई। मैं बिना किसी शक के आपसे कहता हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया है। इलेक्शन कमीशन बीजेपी की पूरी मदद कर रहा है।राहुल ने कहा कि मैं इस बात को मानता हूं कि मध्य प्रदेश में भी चुनाव चोरी किया गया था। एक बार नहीं अनेक बार मध्यप्रदेश में चुनाव चोरी किया गया है। पिछले चुनाव का नतीजा बिल्कुल महाराष्ट्र जैसा नतीजा है। मैं आपको यह बात क्यों बता रहा हूं, क्योंकि हमें सावधान रहना है। इससे पहले शिविर का उद्घाटन हुआ। सेवादल की टीम के साथ ही पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ध्वजारोहण किया।

सीनियर्स की भी पूछपरख

शिविर में गांधी ने कहा- हमें अपनी पार्टी के सीनियर लीडर्स का सम्मान करते हुए उनके अनुभवों का लाभ लेकर आगे बढ़ना है। कांग्रेस पार्टी ने जातिगत जनगणना को लेकर जो लड़ाई लड़ी उस संदेश को हमें घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो यहां जातीय जनगणना करवाई जाएगी। सरकारी नौकरियों में दलित, पिछड़ों, आदिवासियों और महिलाओं को मौका दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी को जातिगत जनगणना से डर क्यों लगता है, डेटा से क्यों डर रहे हैं? क्योंकि उस डेटा के पीछे सच्चाई है, हिंदुस्तान की सच्चाई। उस डेटा के अंदर है पिछड़ों पर अत्याचार, दलितों पर अत्याचार, गरीब जनरल कास्ट पर अत्याचार की सच्चाई डेटा के अंदर है। तेलंगाना में हमने डेटा निकाला है तथा मप्र में सरकार आई तो हम यहां भी जातिगत गणना करायेंगे।

सरकार के इशारे पर काम कर रही ईडी

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि ईडी, सीबीआई सरकार के इशारे पर काम कर रही है। हमें कांग्रेस के लीगल डिपार्टमेंट को मजबूत बनाना होगा। बार काउंसिल के सदस्यों को भी उसमें जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमने 17 वकीलों की टीम तैयार की है। हमें डरने की बजाय कानून का सहारा लेना होगा और अपने अधिकारों की जानकारी भी हमें होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरू पूर्णिमा से की थी शुरूआत

प्रदेश में इस वर्ष स्कूली बच्चों को 4.30 लाख साइकिल की जाएंगी वितरित

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में 4 लाख 30 हजार बच्चों को निःशुल्क साइकिल का वितरण करेगा। साइकिल वितरण की शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरू पूर्णिमा महोत्सव में भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधा युक्त भवन के लोकार्पण समारोह से की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 50 बच्चों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की। प्रदेश में अब तक एक लाख से अधिक बच्चों को उनकी पात्रतानुसार निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जा चुका है। निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत

विद्यार्थी जो कि शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 और 9 में अध्ययनरत हैं, वह जिस ग्राम का निवासी है उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक या हाई स्कूल संचालित नहीं है और उसे अपने विद्यालय तक पहुचंने के लिये 2 किलोमीटर या इससे अधिक की दूरी तय करनी पड़ती है, उन बच्चों कक्षा 6 या 9 में प्रथम प्रवेश पर एक बार निःशुल्क साइकिल दिये जाने का प्रावधान है।

विभागीय अधिकारियों को दिए गए निर्देश

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पहले सभी पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण के निर्देश दिये हैं। संचालनालय स्तर पर निःशुल्क साइकिल वितरण की नियमित समीक्षा की जा रही है। कक्षा 6 में पढ़ने वाले बच्चों को 18 इंच और कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले बच्चों को 20 इंच की साइकिल वितरित की जा रही है। विभागीय अधिकारियों को साइकिल वितरण के पहले उनके उचित भंडारण के संबंध में भी निर्देश दिये गये हैं।

माकन बता रहे कांग्रेस की दिशा ,सुप्रिया सिखा रहीं सोशल मीडिया के गुर

आज राज्यसभा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन कांग्रेस के मूल सिद्धांत, हमारी वैचारिक दिशा, संविधान वाद, धर्मनिरपेक्षता, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय पर फिर से कैसे जुड़ाव हो इस पर संबोधन दे रहे हैं। कांग्रेस की संघर्ष गाथा पर केन्द्रित एक वीडियो भी ?विधायकों को दिखाया जा रहा है। वहीं सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत डिजिटल और सोशल मीडिया को लेकर रणनीति बताएंगी। इस सत्र में वे एक्स , फेसबुक के प्रभावी उपयोग, शॉर्ट वीडियो बनाने, ट्रोलिंग से निपटने और डिजिटल इमेज तैयार करने के तौर-तरीकों पर जानकारी देंगी।

मेट्रो एंकर — जल्दी ही बनेगा देश का सिरमौर

मप्र फूलों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा।

प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रूझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हैक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हैक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और

राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है। मध्यप्रदेश के उत्पादित फूलों की मांग देश के महानगरों के साथ विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब की महक जयपुर, दिल्ली, मुम्बई के बाद अब पेरिस और लंदन में भी पहुंच रही है।

इन फूलों का किया जा रहा उत्पादन

मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से उत्पादित किये जाने वाले फूलों में गेंदा, गुलाब, सेवन्ती, ग्लेडूलस, रंजनीगंधा तथा औषधीय पुष्पों में इसेवगोल, अश्वगंधा, सफेद मूसली और कोलिक्स है। प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन क्षेत्र गेंदा के फूल का है। किसानों द्वारा 24 हजार 214 हैक्टेयर में गेंदे की खेती की जा रही है। दूसरे स्थान पर गुलाब है जिसका रकबा 4 हजार 502 हैक्टेयर और तीसरे स्थान पर सेवन्ती एक हजार 709 हैक्टेयर, चौथे स्थान पर ग्लेडूल्स एक हजार 58 हैक्टेयर, पांचवें स्थान पर रंजनीगंधा 263 हैक्टेयर सहित अन्य पुष्प 11 हजार 227 हैक्टेयर में बोए जा रहे है। प्रदेश में फूलों की प्रति हैक्टेयर उत्पादकता 15.01 मैट्रिक टन है, जो फूलों की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इस उत्पादकता के लिये प्रदेश की जलवायु, यहाँ की मिट्टी के साथ सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को शासन का सहयोग है।

संपादकीय

कारोबार जगत में महिलाएं

हिंदुस्तान यूनिलीवर की पहली महिला प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ के रूप में प्रिया नायर की नियुक्ति देश के कॉरपोरेट जगत के लिए एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। कॉरपोरेट जगत ने नेतृत्वकारी भूमिकाओं में लैंगिक यानी स्त्री-पुरुष कर्मचारियों की संख्या में विविधता को लेकर थोड़ी प्रगति की है। नियामकीय मानकों मसलन सूचीबद्धता के लिए नियमों में सूचीबद्ध कंपनी के बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक की अनिवार्यता आदि ने कंपनियों को बोर्ड रूम में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि उतनी प्रगति नहीं हो सकी है जितनी कि अपेक्षित थी। कंपनियों के बोर्ड में महिलाएं 21 फीसदी पदों पर हैं जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों में से केवल 5 फीसदी में ही महिलाएं सीईओ या प्रबंध निदेशक के पद पर हैं। शीर्ष पर कुछ प्रगति के बावजूद व्यापक तस्वीर अभी तक असमान है। मानव संसाधन सलाहकार कंपनी मार्चिंग शीप्स द्वारा हाल ही में जारी 'मार्चिंग शीप इन्क्लूजन इंडेक्स के अनुसार भारत की 63.45 फीसदी सूचीबद्ध कंपनियों में अभी भी महत्त्वपूर्ण पदों पर महिलाएं नहीं हैं। यह हालात तब हैं जबकि तथ्य बताते हैं कि समावेशन के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों ने अपने समकक्षों की तुलना में अच्छा मुनाफा कमाया है। विविधता केवल नैतिकता का प्रश्न नहीं है। यह वाणिज्यिक दृष्टि से भी अहम है। गौर से देखें तो पता चलता है कि कारोबारी क्षेत्र में लैंगिक विविधता हर तरह से असंतुलित है। शुरुआती स्तर की भर्तियों में महिलाओं का अच्छा खासा प्रतिनिधित्व है और वे शीर्ष पर भी नजर आती हैं लेकिन प्रबंधन के मध्यम स्तर पर महिलाओं की संख्या काफी कम है। जबकि यही मध्यम स्तर का प्रबंधन आगे चलकर शीर्ष नेतृत्व की तरफ बढ़ता है। महिलाओं को अक्सर मानव संसाधन और कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जैसे क्षेत्रों में रखा जाता है जो महत्त्वपूर्ण तो हैं लेकिन रणनीतिक कारोबारी निर्णयों में इनकी भूमिका अक्सर कुछ खास नहीं है। मैकिंजी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार वित्त, परिचालन और कोर बिजनेस इकाइयों में पुरुषों का दबदबा है। यह रुझान महिलाओं की करियर वृद्धि को रोकता है। अहम कारोबारी कार्यों में लैंगिक विविधता की कमी के कारण संकीर्ण दृष्टिकोण विकसित हो सकते हैं और अवसर गंवाने पड़ सकते हैं। देश के कॉरपोरेट जगत के कर्मचारियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 22 फीसदी है, यह आम श्रम शक्ति में उनकी भागीदारी से भी कम है। ऐसे में देश के जनांकिकीय बढ़त का पूरा लाभ लेने के लिए समावेशन को हकीकत में बदलना होगा। कंपनियां न केवल बोर्ड स्तर पर बल्कि सभी कामों में भर्ती, नौकरी छोड़ने, वेतन और पदोन्नति के संबंध में लिंग-आधारित मानकों पर नजर रखकर डेटा आधारित पारदर्शिता को अपना सकती हैं। जिस तरह बड़ी कंपनियां नियमित पर्यावरण और संचालन मानकों के अनुपालन की जानकारी देती हैं, विविधता के आंकड़े कमियों को पहचानने और लक्षित हस्तक्षेप करने में मददगार हो सकते हैं। इस दिशा में ढांचागत मार्गदर्शन के साथ नेतृत्व विकास पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। इसमें संभावनाशील महिलाओं को आगे बढ़ाना और उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है। उनके लिए अनुकूल कामकाजी माहौल बनाना आवश्यक है। समावेशी नीतियां मसलन लचीला कार्यसमय, मातृत्व-अवकाश आदि को उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। बड़े निवेशक भी अपने कॉरपोरेट संचालन और दीर्घकालिक जोखिम के मूल्यांकन में विविधता को ध्यान में रख रहे हैं। कारोबारी भारत को प्रतीकात्मक समावेशन से आगे बढ़कर वास्तविक प्रभाव की दिशा में बढ़ना होगा। यानी महिलाओं को नेतृत्वकारी भूमिका सौंपनी होगी व प्राधिकार, संसाधन और निर्णय प्रक्रिया में भी शक्ति संपन्न बनाना होगा।

बदले हालात में हमें अच्छे दोस्तों की ज़रूरत

■ गुरूबचन जगत

क्या कश्मीर समस्या 'सुलझ' गई है? एक पूर्ण युद्ध की कगार से वापसी कर, शांति और सुकून की मौजूदा घड़ी बनने तक का यह बदलाव अचानक हुआ। दो परमाणु शक्ति संपन्न ताकतें एक-दूसरे पर बमबारी, ड्रोन हमले, लड़ाकू विमान और नौसेना तैनात करने और सैन्य टुकड़ियों को सक्रिय करते-करते अचानक से युद्धविराम करते हुए, जीत के आपसी दावे तक पहुंच गईं। जो लोग अंजान हैं, उनके लिए, जैसे पहले स्थिति बनी, फिर पैमाना बढ़ा और फिर अचानक युद्धबंदी हो गई, उन्हें हैरानी हुई होगी- क्या दोनों पक्ष सिर्फ़ नए हथियारों का परीक्षण कर रहे थे ? मगर जानकार के लिए, यह किसी पुराने नाटक का एक अन्य दृश्य है, ऊंचे कोरस गायन सहित। आज़ादी के बाद से, हमने चार युद्ध लड़े हैं व पाक के साथ अनेकानेक झड़पें हुई हैं। विभाजन सांप्रदायिक आधार पर हुआ, और खूनी संघर्ष एवं घृणा की नींव बना, जिस पर बाद के टकराव आधारित रहे। जम्मू और कश्मीर भारत का एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य है जो कि अब केंद्रशासित प्रदेश है। पाक पूरा कश्मीर पाना चाहता है। यह तथ्य कि पाक के कब्जे वाले कश्मीर सहित, यह इलाका सामरिक रूप से चार मुल्कों (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और भारत) के संगम पर स्थित है, जो इसे और वांछनीय बनाता है।

चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई), जिसे नया सिल्क रोड कहा जाता है, उसकी धुरी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है, जो कि चीन के शिनजियांग को, पीओके से होकर, ग्वादर से जोड़ता है। यह गलियारा चीनी माल की भूमार्गीय पहुंच मध्य एशियाई देशों से यूरोप तक बनाता है। यह सड़क चीन को बारास्ता ग्वादर तट, आगे समुद्री मार्ग से मध्य पूरबी मुल्कों से भी जोड़ती है। बीआरआई में चीनी अनुबंध और निवेश 124 बिलियन डॉलर का है, जिसमें इस साल की पहली छमाही में 176 से अधिक के अनुबंध हुए हैं। जिससे परियोजना में निवेश 1.3 ट्रिलियन डॉलर हो गया। सबसे ज़्यादा निवेश अफ्रीका व मध्य एशिया में हुआ है (स्रोत : फ़ाइनेंशियल टाइम्स, 17 जुलाई)।

लिहाजा, कोई आश्चर्य नहीं कि चीन बार-बार पाक सरकार को अपना अगाध समर्थन देता है। हालिया टकराव में भी पाक द्वारा कथित तौर पर चीन निर्मित

लड़ाकू विमान, मिसाइलें, संचार, निगरानी उपग्रह और सुरक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया।

मीडिया और बुद्धिजीवियों के उन वर्गों के लिए, जो पाक को एक दिवालिया और आसानी से हराया जाने वाला देश बताते रहते हैं- उनका भू-राजनीति की वास्तविक दुनिया में स्वागत है। पाक उस व्यावसायिक फर्म की तरह है जो कहने को तो अध्याय 11 (दिवालियापन संहिता) में आती हैं, लेकिन अपने देनदारों से तालमेल बिठाते हुए और व्यवस्था से खेल करते हुए, संभावित दाताओं के समक्ष खुद को कैसे पेश करना है, बखूबी जानते हैं।

हालिया सैन्य टकराव का पैमाना विस्तारित होकर, लड़ाई के कहीं अधिक जटिल पटल तक फैल गया था। लेकिन इन दिनों, पुंछ और राजौरी में गोलीबारी की कोई ख़ास सुर्खियां नहीं आ रहीं। युद्ध के नए युग में ड्रोन, उपग्रह, निर्देशित मिसाइलें और जाने क्या-क्या उपयोग होता है। इससे इनकी मार केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे देश में महसूस होगी- हमें इस हिसाब से तैयारी करनी होगी। विदेश मंत्रालय ने 11 जुलाई को वार्षिक रिपोर्ट वेबसाइट पर डालते हुए कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भारत कोई समझौता नहीं करेगा। सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को कमज़ोर करने की सभी कोशिशों से निपटने के लिए दृढ़ और निर्णायक कदम उठाएगा। हालांकि, निवारक कार्रवाई के बाद भी पाक का रवैया नहीं बदला है। उसके सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल असीम मुनीर का लहजा और बोल और आक्रामक हुए हैं, और वे कश्मीर को पाक की श्वास नली बताते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन्हें व्हाइट हाउस में भोज पर आमंत्रित किया, जिससे उन्हें और शह मिली। पाक वायुसेना प्रमुख भी शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों से विचार-विमर्श हेतु पेंटागन में आमंत्रित किए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने युद्धविराम (जो भारत-पाक डीजीएमओ के बीच एक द्विपक्षीय मामला था) का श्रेय लेक भारत व पाक को एक-बराबर रखने की कोशिश की है। आर्थिक मोर्चे पर, अमेरिकी दबाव में विश्व बैंक और आईएमएफ ने पाक को ऋण मंजूर किया। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल ने भी पाक को डिफॉल्टर सूची में न डालते हुए बख्श दिया। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। भारत ने नीतिगत रुख में संशोधन करते हुए कहा है कि आइंदा हर आतंकी कार्रवाई को युद्ध माना जाएगा और उससे उसी तरह निपटा जाएगा।

ऐसे हालात में, अब आगे हमारे लिए क्या? कश्मीर या भारत में अन्यत्र कहीं, उकसावे वाला कांड होने की पूरी आशंका है। पाक के विभाजन उपरांत खुमार और चार युद्धों में भारी क्षति, व उसके निहित स्वार्थ, कश्मीर कब्ज़ाने की कोशिशों को मजबूर करते हैं। पहले, यह काम आतंकवाद को शह और मदद देकर बढ़ावा देकर होता रहा, यह तरीका आईएसआई ने अमेरिका की मदद से अफ़ग़ान तालिबान तैयार करते वक्त अच्छी तरह सीखा। आईएसआई ने इसका इस्तेमाल भारत को एक छद्म युद्ध में फंसाए रखने, मनोबल गिराने, मुद्दे को ज़िंदा रखने और जख्म देने के लिये किया। तो, अगला पहलगाम जैसा कुछ होने पर क्या होगा? क्या प्रतिक्रिया घोषणा के मुताबिक पूर्ण युद्ध की रहेगी? या फिर सीमित झड़पों वाली रहेगी? क्या हम टकराव से लाभ कमाने वारे शरारती तत्वों के हाथों में खेलेंगे? हम बदली नीति के मद्देनज़र, तमाम महत्वपूर्ण सैन्य पहलुओं में सदैव उच्च-स्तरीय तत्परता बनाए रखें। हम सुनिश्चित करें कि जैसे-जैसे हम तनाव के पायदान चढ़ते जाएंगे, सैन्य मानव-बल, गोलाबारी, निगरानी प्रणाली, तकनीक आदि में इष्टतम जरूरतों की पूर्ति बनी रहे।

वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, पदभार ग्रहण करने के दिन से ही शिकायत करते आए हैं कि उनके पास स्वीकृत स्क्वाड्रनों की संख्या तक नहीं है। साथ ही स्वदेशी उत्पादन बहुत सुस्त है, इसलिए हमें 'जो भी, जैसा भी उपलब्ध है' हथियार खरीदने पड़ रहे हैं। नौसेना की स्थिति कुछ बेहतर प्रतीत होती है, लेकिन निरंतर उन्नयन जरूरी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कहा है कि पुराने हथियारों से आधुनिक युद्ध नहीं जीते जा सकते हैं। उन्होंने 'भविष्य-उपयुक्त' तकनीक अपनाने की जोर दिया है, मुख्यतः स्वदेशी विकास के माध्यम से। हमें नीतियां उपलब्ध व खरीदे जाने वाले उपकरणों के आधार पर बनानी होगी। जैसे-जैसे भारत वैश्विक पटल पर ऊंची जगह बनाने की कोशिश कर रहा है, वैसे ही वे शक्तियां भी आगे बढ़ेंगी, जिन्हें हमसे खतरा महसूस होता है। हमें कूटनीतिक मोर्चे पर बहुत सतर्क रहना चाहिए। हमें अन्य मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है। हालिया टकराव के दौरान, एक भी पड़ोसी या दुनिया की कोई बड़ी ताकत हमारे साथ खड़ी नहीं हुई। वहीं पाक को चीन और तुर्किए का ठोस समर्थन मिला।

हमें अपनी विदेश नीति पर गहराई से पुनर्विचार करना होगा । इसके लिए उच्चतम राजनीतिक एवं नौकरशाही स्तर पर काम करना होगा। इस बारे में निर्णय में कोई देरी स्वीकार्य नहीं, और हमें अंतरिम एवं दीर्घकालिक उपायों के मुताबिक निर्णय लेना होगा। हमें दुश्मनों, आगे उनके दोस्तों और उनकी क्षमताओं की भी अच्छी समझ बनाए रखनी होगी। हम स्वीकारें कि इस मामले में, फिलहाल हम लगभग अकेले पड़े हैं, और दोस्तों और हमारे सशस्त्र बलों के लिए पर्याप्त संसाधनों के बिना इस विशाल काम का सामना करना मुश्किल होगा।

(साभार : लेखक मणिपुर के राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।)

हरियाली और विकास-क्या दोनों एक साथ संभव हैं?

■ पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हरियाली और विकास लेकर एक लंबे समय से बहस चलती रही है। विकास का मतलब होता है आर्थिक तरक्की, आधारभूत संरचना का निर्माण, रोज़गार का सृजन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार। वहीं हरियाली का तात्पर्य है - प्रकृति का संरक्षण, वन्य जीवन की सुरक्षा, जलवायु संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता। कई बार यह धारणा बन गई है कि विकास का रास्ता पर्यावरणीय विनाश से होकर जाता है। जैसे-जैसे शहर फैलते हैं, पेड़ कटते हैं, जंगल सिकुड़ते हैं, और कारखानों, सड़कों, बांधों आदि के लिए हजारों एकड़ हरित भूमि का दोहन होता है। इतिहास गवाह है कि भारत के औद्योगिक विकास के विभिन्न पड़ावों पर प्रकृति की बलि दी गई है - चाहे वह झारखंड में कोयला खनन हो या अरुणाचल में जल विद्युत परियोजनाएं, अथवा छत्तीसगढ़ व ओडिशा के आदिवासी क्षेत्रों में लौह अयस्क की खुदाई। ये तमाम उदाहरण यह साबित करते हैं कि जब भी आर्थिक विकास की परियोजनाएं शुरू होती हैं, तो वनस्पति, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचता है। परंतु यह स्थिति अनिवार्य नहीं है। यह केवल गलत नीतियों, स्वार्थपूर्ण दृष्टिकोण और पर्यावरणीय चेतना की कमी के कारण हुआ है। यदि विकास की प्रक्रिया को एक पर्यावरण-मित्र दृष्टिकोण के साथ डिजाइन किया जाए, तो यह हरियाली के साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ सकता है। उदाहरणस्वरूप, यदि कोई हाईवे बने और हर दो किलोमीटर पर सड़क के किनारे हरित पट्टी लगाई जाए, यदि खनन से पहले और बाद में वन क्षेत्र का पुनः निर्माण किया जाए, यदि फैक्ट्रियों में प्रदूषण नियंत्रण संयंत्र लगाए जाएं और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जाए - तो विकास, पर्यावरण का शत्रु नहीं, उसका सहयोगी बन सकता है। अतः सबसे पहला और बड़ा सवाल यही है कि क्या हम विकास की परिभाषा को महज़ जीडीपी वृद्धि से आगे बढ़ाकर सतत समावेशी विकास के रूप में स्वीकार कर सकते हैं? यदि हाँ, तो हरियाली और विकास दोनों साथ-साथ चल सकते हैं, और भारत इस दिशा में नई भूमिका निभा सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह पर्यावरण और वनस्पतियों के संरक्षण के लिए नीति बनाए और उन्हें लागू करे। अनुच्छेद 51A(g) नागरिकों को यह कर्तव्य देता है कि वे प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करें। इसके बावजूद, आज भारत विश्व के उन शीर्ष 5 देशों में शामिल है जहाँ वायु प्रदूषण सबसे अधिक है, वनों की कटाई तेजी से हो रही है, और जल स्रोतों का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। ऐसे में हरियाली और विकास को संतुलित करने की चुनौती और अधिक जटिल हो जाती है। एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें मेक इन इंडिया, स्मार्ट सिटी, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, विकासशील राजमार्ग,कोयला खनन, जैसे कार्यक्रमों पर बल देती हैं, तो दूसरी ओर देशभर में पर्यावरणीय आंदोलनकारियों, ग्रामीणों, आदिवासियों और पर्यावरणविदों की यह माँग होती है कि इन योजनाओं में पर्यावरणीय मूल्यांकन को गंभीरता से लिया जाए, और

हरियाली की क्षति की भरपाई सुनिश्चित की जाए।

यहाँ एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक हो जाता है। भारत में 'हरित विकास'की अवधारणा अब तेजी से आगे बढ़ रही है। उदाहरणस्वरूप - लद्दाख में सौर ऊर्जा से पूरी बस्ती चलाने की पहल, केरल में हरित भवनों का निर्माण, दिल्ली-एनसीआर में इलेक्ट्रिक वाहनों (को बढ़ावा देना और महाराष्ट्र में 'वन महोत्सव' के तहत लाखों पेड़ लगाना - यह सब संकेत देते हैं कि भारत हरियाली के साथ विकास की राह पर बढ़ सकता है। चुनौतियाँ फिर भी कई हैं - जैसे भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता की कमी,पर्यावरणीय स्वीकृति में भ्रष्टाचार, उद्योगों की ज़िम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति, और सरकारी योजनाओं का पर्यावरणीय दृष्टिकोण से निर्धारण न होना। यदि नीति-निर्माता, उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी और नागरिक इस दिशा में ईमानदारी से सहयोग करें, तो हरियाली और विकास एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं, विरोधी नहीं।

दुनिया के कई देश आज इस बात को सिद्ध कर चुके हैं कि हरियाली और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहायक बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, स्कैंडिनेवियाई देश जैसे स्वीडन, नॉर्वे और डेनमार्क ने अपने औद्योगिक विकास को अक्षय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, और सार्वजनिक परिवहन के हरित मॉडल के साथ जोड़ा है। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में 80% से अधिक ऊर्जा सौर और बायोमास जैसे स्वच्छ स्रोतों से आती है। वहां की सरकार ने 'ग्रीन टैक्स' और 'कार्बन टैक्स' जैसी नीतियाँ अपनाई हैं, जिससे कंपनियां पर्यावरण-मित्र तकनीकों की ओर प्रवृत्त हुई हैं। सिंगापुर जैसे छोटे देश ने सीमित संसाधनों के बावजूद 'वर्टिकल गार्डनिंग', वर्षा जल संचयन, और स्मार्ट सीवेज ट्रीटमेंट के माध्यम से हरियाली और विकास दोनों को साधा है। भारत के लिए ये मॉडल अनुकरणीय हैं। यदि हम विकास के लक्ष्य को केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और स्थायी जीवन शैली के संदर्भ में , तो हम एक नये भारत की कल्पना कर सकते हैं - जो तेज़ी से विकसित भी हो और हरित भी। हाल ही में भारत ने त20 सम्मेलनों में LiFE Movement यानी Lifestyle for Environment&# का समर्थन किया है। यह विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया है, जिसमें यह संदेश है कि व्यक्ति से लेकर समाज तक की जीवनशैली को इस प्रकार ढाला जाए कि वह प्रकृति के साथ तालमेल में हो। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव भी कम होंगे। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ×ส39;पेरिस समझौते' में जो वादे किए हैं - जैसे 2030 तक 500 गीगावॉट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करना, या कुल बिजली उत्पादन का 50त्न गैर-जीवाश्म स्रोतों से लेना - वे इसी बात की ओर संकेत करते हैं कि भारत अब विकास की उस दिशा में बढ़ रहा है, जो हरियाली को नज़रअंदाज़ नहीं करता। यदि हम जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ-साथ 'हरित रोजगार' को बढ़ावा दें, तो आने वाले वर्षों में भारत विकास और हरियाली के अद्भुत संतुलन का उदाहरण बन सकता है।

हरियाली और विकास को साथ लेकर चलने के लिए सबसे पहली आवश्यकता है - नीति निर्माण में समन्वय और संवेदनशीलता। सरकार को चाहिए कि किसी भी विकास परियोजना को स्वीकृति देने से पहले उसका गहन पर्यावरणीय मूल्यांकन हो। ;वन अधिकार अधिनियम और ;पर्यावरणीय संरक्षण अधिनियम जैसे कानूनों को मजबूती से लागू किया जाए। स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से आदिवासियों को निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में शामिल किया जाए। जब किसी क्षेत्र में सड़क या कारखाना बनाया जाए, तो उसी अनुपात में वृक्षारोपण और जल-प्रबंधन की योजना बने। खनन और उद्योगों के लिए 'ग्रीन ऑडिट' अनिवार्य हो और उससे प्राप्त आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। दूसरे, शहरीकरण को हरित दिशा दी जानी चाहिए। आज भारत के शहरों में बढ़ती जनसंख्या, यातायात, कचरा और प्रदूषण की समस्या विकराल होती जा रही है। समाधान यह है कि हर नगर में ;ग्रीन ज़ोन; सुनिश्चित किया जाए, साइकिल ट्रैक्स बनाए जाएं, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जाए, और इमारतें ग्रीन बिल्डिंग कोड; के अनुसार बनें। नगरपालिकाएं घर-घर कचरे के पृथक्कर) को लागू करें, और वर्षा जल संचयन व अपशिष्ट जल उपचार को अनिवार्य बनाएं। तीसरे, जन-जागरूकता का स्तर ऊँचा उठाना होगा। हरियाली केवल सरकारी प्रयासों से नहीं आएगी, उसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। यदि आम लोग अपने घर के आसपास पेड़ लगाएं, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें, जल और बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करें और बच्चों को पर्यावरण शिक्षा दें, तो यह आंदोलन जड़ पकड़ सकता है। विद्यालयों में 'पर्यावरण क्लब', कॉलेजों में 'ग्रीन इनोवेशन चैलेंज' और पंचायतों में 'हरियाली पंचायत योजना' जैसी पहलें देश की सामूहिक चेतना को जगाने में सहायक हो सकती हैं। अंततः हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के बिना विकास एक खोखला सपना है। जिस धरती की हरियाली को काटकर हम चमचमाते शहर बनाते हैं, वही धरती यदि गर्म हो जाए, वर्षा अनियमित हो जाए, जलस्तर गिर जाए, तो वह विकास कुछ वर्षों में ही विनाश का कारण बन जाता है। अतः आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि विकास के हर कदम पर हरियाली का आशीर्वाद लिया जाए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के पास यह अवसर है कि वह विश्व को यह दिखा सके कि विकास और पर्यावरण को साथ लेकर चलना केवल नारा नहीं, एक यथार्थ विकल्प है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

विशाल हृदय वालों के लिए दूर वाले भी निकट हो जाते हैं।
- मेक्सिम गोर्की

आज का इतिहास

- 1731: स्पेन ने वियना संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1918: भारत के पहले कुशल पायलट इन्द्रलाल राय प्रथम विश्वयुद्ध के समय लंदन में जर्मनी से हुई लड़ाई में मारे गए।
- 1947: भारत के राष्ट्रीय ध्वज को संविधान ने अपनाया।
- 1969: सोवियत संघ ने स्पूतनिक-50 और मोलनिया-112 संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण किया।
- 1981: भारत के पहले भू-स्थिर उपग्रह एप्पल ने कार्य करना शुरू किया।
- 1988: अमेरिका के 500 वैज्ञानिकों ने पेंटागन में जैविक हथियार बनाने के शोध का बहिष्कार करने की प्रतिज्ञा ली।
- 1999: अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक की कार्ययोजना लागू की।
- 2001: शेर बहादुर देउबा नेपाल के नए प्रधानमंत्री बने
- 2001: समूह-आठ के देशों के सम्मेलन का जिनेवा में समापन।
- 2003: इराक में हवाई हमले में तानाशाह सद्दाम हुसैन के दो बेटे मारे गए।
- 2004: शांति के लिए 1976 में नोबेल पुरस्कार जीतने वाली बैटी बिलियम्स मैक्सिको में गिरफ्तार।
- 2005: आतंकवादी होने के संदेह में लंदन पुलिस ने निर्दोष ब्राजीली नागरिक जीन चार्ल्स डे-मेंसेज को मार गिराया।
- 2008: पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान ने एक अदालत में अपने खिलाफ लगे प्रतिबंधों पर पुनर्विचार याचिका दायर की।
- 2012: प्रणव मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति निर्वाचित।
- 2019: श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण।
- 1898: प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायक विनायकराव पटवर्धन का जन्म।
- 1923: प्रसिद्ध पार्श्वगायक मुकेश का जन्म।
- 1970: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का जन्म।
- 1933: भारतीय स्वाधीनता संग्राम सेनानी यतीन्द्र मोहन सेन गुप्त का निधन।

निशाना

काण्ड भी तमाम !

-कृष्णेन्द्र राय

जैसी करनी वैसी भरनी ।
खाए खूब मलाई ।।
पर आए थे करने ।
जनता की भलाई ।।
तय मिलना परिणाम ।
पेश किया जो काम ।।
सत्य है पर लेकिन ।
काण्ड भी तमाम ।।
एक एक कर चीजें ।
बाहर आने वाली ।।
हो रहा कुछ सूखा ।
थी पहले हरियाली ।।
होना था प्रहार ये ।
आज नहीं तो कल ।।
फंस गई है गाड़ी ।
लगता मुश्किल हल ।।

नागद्वारी मेला : अब तक लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने किए भोले के दर्शन

पचमढ़ी की वादियों में भक्ति का अनूठा संचार हर तरफ बम-बम भोले के जयकारों की गूंज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नागद्वारी मेले के तीसरे दिन भी भक्तों की अपार भीड़ से हर हर महादेव के जयकारों से पचमढ़ी की वादियों में भक्ति का अनूठा संचार उत्पन्न होता रहा है। दर्शन हेतु आए भक्तों से पूरा पचमढ़ी भक्तिमय हो रहा है। नागद्वार पदमशेष का मार्ग पचमढ़ी से नागद्वार तक भक्तों की लंबी-लंबी कतारें अनवरत चल रही हैं।

मेले की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया जा रहा है। सोमवार को अतिरिक्त दण्डाधिकारी नर्मदापुरम डीके सिंह, सचिव महादेव मेला समिति अनीशा श्रीवास्तव द्वारा मेले के विभिन्न सेक्टरों पर पहुंचकर व्यवस्था निरीक्षण किया गया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गए। प्रशासन प्रत्येक आवश्यक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की कोशिश कर रहा है।

मेले में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था पानी के टैंकरों, केन, डीजल पाइपलाइन एवं अन्य माध्यमों से पेयजल आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन के तरफ से पूरे मेला क्षेत्र में लगभग 630 जवान तैनात किये गये हैं जो कि श्रद्धालुओं को आवश्यक सुरक्षा एवं मदद प्रदान कर रहे हैं। पचमढ़ी से जलगली तक शान द्वारा निर्धारित परमिट के आधार पर वाहनों का संचालन सुनिश्चित किया जा रहा

है। परिवहन विभाग द्वारा भी निरंतर चेकिंग के माध्यम से अधिक वसूली करने वाले वाहन संचालकों पर कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार बिना परमिट के जिप्सी संचालन किए जाने पर भी जिप्सी को तहसील कार्यालय में खड़ा करवाया गया।

तहसील कार्यालय स्थित मुख्य कंट्रोल रुम द्वारा समस्त व्यवस्था जैसे भोजन पानी एवं साफ सफाई हेतु लगाए, सफाई कर्मियो के द्वारा मेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है एवं नागद्वार क्षेत्र में ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों को स्थल पर भोजन भिजवाने की व्यवस्था भी की जा रही है। विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क भण्डारों के संचालन में प्रशासन द्वारा सफाई कर्मी एवं ब्लीचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

श्रद्धालु जो कि अपने साथ आए परिवार तथा साथियों से बिछड़ गये थे उन्हें शासन की मुस्तैदी से अपने परिजनों से मिलवाया गया है। जिसमें प्रमिला निमबांडकर जो जलगली से बिछड गई थीं, पता करने पर वह अपने अन्य साथियों के साथ अपने घर नागपुर पहुंच गई। इसी तरह वैष्णवी जो कि होटल हाईलैंड से अपने परिवार से अलग हो गई थी उन्हें भी प्रशासन द्वारा पूरी सजगता के साथ उनके परिवार से मिलवा दिया गया। मेले में संचालित खोया पाया केंद्र द्वारा निरंतर ही ऐसे श्रद्धालु जो अपने परिवार जनों से बिछड़ गए हैं उन्हें उनके परिवारजनों से मिलवाया जा रहा है। इसी प्रकार नियमित रूप से वाहन परमिट भी दिए जा रहे हैं। अभी तक कुल 366 वाहन परमिट वितरित किए हैं।

कमिश्नर ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर दिए निर्देश

नर्मदापुरम. नागद्वारी मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मिथिलेश कुमार शुक्ला के साथ पचमढ़ी पहुंचे। कमिश्नर ने नागद्वारी मेले में श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधा का निरीक्षण किया और कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। एसडीएम पिपरिया अनीषा श्रीवास्तव को निर्देश दिये कि नागद्वारी जाने वाले मार्ग पर अनावश्यक रूप से वाहनों का जाम न लगे। यातायात और यातायात व्यवस्था चाक चौबंद रहे। श्रद्धालुओं को कदम कदम पर पेयजल एवं टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध रहे। जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी विभिन्न पांइट पर लगाई गई है वे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर अपने पांइट पर उपस्थित रहे एवं श्रद्धालुओं को आ रही समस्याओं एवं कठिनाइयों का मौके पर रहकर निराकरण करें।

श्रीमद् भागवत कथा में पं. अविनाश महाराज बोले-

प्रेतों को भी जो मुक्त कर दे वो कथा है भागवत

नर्मदापुरम. तवानगर में चल रही श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिवस महात्म की कथा में कथा व्यास पंडित अविनाश तिवारी (बिलासपुर छ.ग.) ने धुंधकारी कथा में प्रकाश डालते हुए बताया कि धुंधकारी अपने कर्मों से प्रेत योनि को प्राप्त हुआ जिसे प्रेत योनि से मुक्ति के लिए उनके भाई गौकर्ण ने श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया, जिसके फलस्वरूप धुंधकारी प्रेत योनि से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त किया। कथा में आयोजक इंदजीत यादव सपत्नीक सहित यादव परिवार के सदस्य और गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।।

पंजीयन प्रक्रिया की दी जानकारी निर्देशों का हो रहा है क्रियान्वयन

नर्मदापुरम. सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम 1961 के प्रावधानों की जानकारी के लिए गत दिवस क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, नर्मदापुरम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक श्रमायुक्त रजनी मालवीय द्वारा अधिनियम की धारा-3 के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी कार्यशाला में उपस्थित बस ऑपरेटरों को दी गई। उन्होंने बताया कि नियोजकों को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अपने वाहनों एवं कर्मकारों का पंजीयन कराना अनिवार्य है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा ने सभी ऑपरेटरों से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपालन में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं और अधिनियम के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कार्यशाला के दौरान राकेश फौजदार ने जानकारी दी कि उनकी सभी बसों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम की व्यवस्था पहले से की है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

स्मार्ट मीटर लगाने का भारी विरोध

चार घंटे की मशक्कत के बाद बिना मीटर लगाए लौटी टीम

इटारसी। दोपहर मेट्रो

स्मार्ट मीटर लगाने वार्ड 17 के सोनासांवरी नाका पहुंची बिजली कंपनी की टीम आखिर चार घंटे के तीखे विरोध और मशक्कत के बाद एक माह का वक्त देकर बैरंग लौट गयी। अब यहां के लोगों को एक माह स्मार्ट मीटर से निजात मिल गयी है। कंपनी के अफसरों को वार्ड के लोगों से साफ कह दिया कि अन्य जगहों पर लगाएं, कहीं से अधिक बिल की शिकायत नहीं आयी तो हम एक माह बाद नये मीटर लगवा लेंगे।

कंपनी की टीम सुबह जब पहुंची तो नये और पुराने मीटर में तीन यूनिट का फर्क देखकर सोनांसावरी नाका क्षेत्र के लोगों ने इसका तीखा विरोध किया। अधिकारियों ने यहां के निवासियों को अपनी दलीलों से संतुष्ट करने की काफी देर कोशिश की, लेकिन यहां के रहवासी किसी भी बात से संतुष्ट नहीं हुए और नये मीटर नहीं लगवाने पर अड़े रहे।

इस बीच कांग्रेस की एंट्री हुई और धरना, नारेबाजी के बाद आखिरकार बिजली कंपनी के अधिकारियों को अपनी टीम के साथ एक माह का वक्त देकर वापस लौटना पड़ा।

कम-ज्यादा रीडिंग करने की शिकायत खत्म हो जाएगी

नये स्मार्ट मीटर से प्रत्येक माह की एक तारीख को आटोमैटिक बिल जेनरेट हो जाएगा, इसमें कोई मानव हस्तक्षेप नहीं होगा, कम-ज्यादा रीडिंग करने की शिकायत खत्म हो जाएगी। इसे पूरे शहर में लगाया जा रहा है। यहां के लोग विरोध कर रहे हैं, इसलिए हमने उनको समझाया है कि यह गलत नहीं है।

संदीप पांडे, उपमहाप्रबंधक बिजली कंपनी

हमने विरोध किया और एक माह का वक्त मांगा तो कंपनी के अधिकारी एक माह का वक्त देकर फिलहाल चले गये हैं। हमने कहा कि कहीं से ज्यादा बिल की शिकायत नहीं आती है तो हम भी स्मार्ट मीटर लगवा लेंगे।

अभिषेक साहू, पार्षद प्रतिनिधि

आईजी-कमिश्नर ने दिया नशे से दूरी का सबक, जागरुकता के साथ दिलाई शपथ

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी एवं पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला ने पचमढ़ी के ग्रीन हाउस में पुलिस एवं नर्मदापुरम पुलिस विभाग द्वारा संचालित जागरूकता अभियान नशे से दूरी के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी एवं पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला ने नशा मुक्ति जागरूकता के रथ एवं छात्र-छात्राओं की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पचमढ़ी के ग्रीन हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह ने मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित एवं नर्मदापुरम पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्ति अभियान नर्मदापुरम पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से प्रारंभ

किया गया है जो 30 जुलाई तक रहेगा। इस अभियान के दौरान सभी व्यक्तियों को नशे से दूरी बनाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार का नशा जैसे शराब, गांजा अफीम एवं अन्य प्रकार का नशा जो व्यक्ति करता है इससे उसके जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। आम जनता एवं संबंधित व्यक्ति का परिवार भी इसके साथ ही प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि अभी से सभी बच्चों को भी यह समझाना जरूरी है कि नशा जीवन को खराब करता है। इसलिए नशे से हमेशा दूर रहना चाहिए। एक पल का नशा पूरे जीवन को कष्ट से भर देता है। पुलिस अधीक्षक ने सभी छात्र-छात्राओं को समझाइश दी की अपने परिवार अपने आस पड़ोस अपने परिजनों एवं दोस्तों को भी समझाएं और नशे से दूर रहने को कहें तथा उसके दुष्परिणामों से भली-भांति सभी को अवगत कराए। इस दौरान पुलिस महा निरीक्षक ने सभी छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

सात सौ करोड़ से विदिशा की सड़कों का होगा कायाकल्प

विदिशा।दोपहर मेट्रो

जिले को एक बार फिर बड़ी सौगात मिली है। विदिशा जिले में 11 प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को मंजूरी मिल गई है और इसके लिए 724.9 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी के अनुसार पूर्व में उनकी ओर से सडक़ों के निर्माण का प्रस्ताव सांसद व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास भेजा था। उनकी अनुशंसा पर राशि स्वीकृत की गई है।

जानकारी के अनुसार 11 प्रधानमंत्री ग्राम सड़कें स्वीकृत होने से जिले के एक दर्जन से ज्यादा गांवों को इसका फायदा होगा। स्वीकृत राशि पांझ से किरमची रूसल्ली तक, मेन रोड से रसूलपुर तक, काल भैरव मंदिर से आवास बस्ती तक, ढोलखेड़ी से लेकर हिनौतिया व लश्करपुर रोड से जमालदी तक, भैरोखेड़ी रोड से पिपरहूंटा बस्ती तक, शेरपुर कस्बा रोड से उमरखेड़ी तक, खेजड़ा सुल्तान रोड से आवास बस्ती तक, करारिया लश्करपुर रोड से झाड़ौन बस्ती तक, मुहाना से आवास बस्ती मुहाना तक, काशीराम खेजड़ा से मुडराखेड़ा तक और आदर्श कॉलेज से निमखिरिया करार टपरा तक के कच्चे मार्गों में सड़क बनाई जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी के बताया कि जिला पंचायत की सामान्य सभा से जल्द ही अनुमोदन प्राप्त कर सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को खासतौर पर स्कूली बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष ने शहरी क्षेत्र से लेकर गांवों तक में स्थित मुक्तिधामों की स्थिति का जियो टैग के माध्यम से अवलोकन कराने की बात कही है जिससे कि खराब मुक्तिधामों की मरम्मत कराई जाएगी।

समय पर वेतन न मिलने को लेकर नपा प्रांगण में हनुमान चालीसा व सुंदरकांड करेगा मजदूर संघ..

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जुलाई माह समाप्ति की ओर है लेकिन गत जून माह का भी वेतन नगर पालिका के अधिकांश कर्मचारियों को नहीं मिल पाया. कर्मचारियों का वेतन समय पर हो जाए इसको लेकर नगर पालिका के अधिकारी वर्ग को सद्बुद्धि देने के लिए नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ नगर पालिका प्रांगण में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ करेगा।

नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया कि विगत दो दिन पहले माह जून के मासिक वेतन का भुगतान कुछ सफाई कर्मचारियों को किया गया है बाकी पदस्थ कर्मचारी/श्रमिकों को अभी तक मासिक वेतनों का भुगतान नहीं किया गया है जिसके परिणामस्वरूप स्कूल कालेज में बच्चों के एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं खान-पान दवाईयां इलाज को लेकर कर्मचारियों की पारिवारिक स्थिति आर्थिक शोषण के कारण चरमरा गई है बैंक लोन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। नगरपालिका में व्याप्त चर्चा के अनुसार ज्ञात हुआ है कि अभी तक शासन से चुंगी क्षतिपूर्ति ड्राफ्ट नहीं आया है कुछ लोग कह रहे हैं कि विधुत विभाग की बकाया राशि ड्राफ्ट से जमा हो गई है इसलिए वेतन के लाले पड़ रहें हैं और कुछ कर्मचारियों के बीच वेतन न मिलने को लेकर और आर्थिक संकट को लेकर तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है। कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति के पक्ष मे संचनालय से आदेश जारी किया गया है कि प्रत्येक माह के पहले दिवस कर्मचारियों को मासिक वेतनों का भुगतान कर दिया जाए। इसी तरह मजदूर संघ से किये गये समझौते में लिखित आश्वासन दिया गया है कि प्रत्येक माह कि दस तारीख की समयावधि में मासिक वेतन का भुगतान सभी कर्मचारियों को कर दिया जावेगा जिनकी अवमानना नगरपालिका के द्वारा लगातार की जा रही है।

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर विराट काव्य महोत्सव कल

नर्मदपुरम. समाजसेवा,कला,साहित्य, संस्कृति को समर्पित संस्था नर्मदा आह्वान सेवा समिति व्दारा महान स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद जयंती के अवसर पर विराट काव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक किशोर करैया केप्टिन बताया की गीता मैरिज पैलेस वेयर हाउस के पास आई. टी.आई.रोड नर्मदपुरम मे 23 जुलाई को भव्य काव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति के हंस राय ने बताया की आयोजन मे देश के विभिन्न प्रांतों से 50 कवि,साहित्यकारो को आंमत्रित किया गया है। श्री करैया ने बताया की अतिथियों मे समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों,साहित्यकारों को आंमत्रित किया गया है। आयोजन दो सत्रों में प्रातः 10 बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगा। काव्य पाठ उपरांत सभी कवियों को अतिथियों की उपस्थिति मे समिति द्वारा साहित्य गौरव सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

मेट्रो एंकर

विदिशा जिले के उदयपुर कस्बे में स्थित है राजा भोज के पुत्र द्वारा निर्मित शिव मंदिर

एतिहासिक नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में सावन सोमवार की धूम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रावण माह के द्वितीय सोमवार को शहर सहित ग्रामीण अंचलों में भोले की भक्ति में बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ भगवान भोलेनाथ के दर्शनों को शिव मंदिरों में लगी रही। जहां भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। शहर से 18 किलोमीटर दूर उदयपुर स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक कर पूजन किया। वहीं पुरानी नगर पालिका के पास रामेश्वर महादेव कांच मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। कई जगह मंदिरों में देर रात तक भजनों के कार्यक्रम आयोजित हुए। आश्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के द्वारा पार्थिवलिंग मां पार्वती, गणेश जी, कुबेर जी बिरभद्र जी, कार्तिकेय जी नंदी और नागराज का सुंदर विग्रह प्रतिदिन तैयार किया जाता है। आश्रम में यजुर्वेद का अध्ययन कराने वाले आचार्य वेदमूर्ति शिवशंकर पाण्डेय काशी के आचार्यत्व में रुद्राभिषेक सम्पन्न होता है। उन्होंने बताया कि भूतभावन भोलेनाथ का दिव्य रुद्राभिषेक प्रातः 8 से 11, दोपहर 11 से 1 एवं 2 से 5 तक अलग अलग यजमानों का अलग अलग द्रव्य से रुद्राभिषेक हो रहा है। आश्रम के गौशाला में देशी और वेद लक्षणा गाय के दुग्ध,गंगा जल और कुशा मिश्रित जल कुशोदक से भूत भावन का दिव्य रुद्राभिषेक होता है। बटुक आश्रम में लगे हुए बिल्ववृक्ष से बिल्वपत्र तोड़ते हैं और तीन तीन पत्तों का सुंदर संग्रह करके शिव सहस्त्र नाम से बिल्वार्चन करते हैं।

वेदांत आश्रम में श्रावण माह में प्रतिदिन बन रहे पार्थिव शिवलिंग

जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में सावन के पावन मौके पर पार्थिव शिवलिंग निर्माण और पूजन के दौरान सोमवार को शिव महापुराण की कथा सुनाते हुए आश्रम के महंत हरिहरदास महाराज ने बताया कि बहुत पहले की बात है हितकारी ब्रम्हा ने जिसके शरीर में उक्त ये तीनों त्रिपुण्ड, रुद्राक्ष और शिवनाम संयुक्त रूप से विद्यमान थे। उनके फल को तुला के पलड़े में एक ओर रखकर, त्रिवेणी में स्नान करने से उत्पन्न फल को दूसरी ओर के पलड़े में रखा और तुलना की तो दोनों बराबर ही उतरे। अतः सभी शिवभक्तों को अपने शरीर पर सदा धारण करना चाहिए और विशेष कर पूजन करते समय तो रहना ही चाहिए। यजमान खुमान सिंह रघुवंशी, गजेंद्र सिंह रघुवंशी फतेहपुर द्वारा पार्थिव शिवलिंग का पूजन किया गया।

वन्यजीवों की जान को खतरा

दुर्गावती टाइगर रिजर्व से लगे खेतों में लगे करंट वाले तार

तेन्दूखेड़ा। तीन जिले की सीमा क्षेत्र में फैले हुए 25 बाघों से आबाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सटे मुहली गांव के आसपास के खेतों में किसानों द्वारा जंगली जानवरों से फसल की सुरक्षा के लिए झटका तार (इलेक्ट्रिक फेंसिंग) लगाये गये हैं। यह तार खेतों की सीमाओं पर इस तरह बिछाई गई हैं कि उसमें करंट प्रवाहित होता है, जिससे कोई भी जानवर उसके संपर्क में आते ही झटका खा लेता है। यह तार लगाने के लिए हजारों की संख्या में लकड़ी के खूंटे भी जंगल से काटे गये है। ग्रामीणों के अनुसार इन तारों की वजह से कई वन्यजीवों को गंभीर रूप से चोटें आती हैं। विशेष रूप से रात के समय जब जानवर पानी या भोजन की तलाश में गांव की ओर आते हैं, तब वे इन खतरनाक तारों की चपेट में आ जाते हैं।

तिरंगा दिवस : देश के लिए योगदान को प्रेरित करता है राष्ट्र ध्वज

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा फहराते हुए राष्ट्रगीत या राष्ट्रगान का गायन किसी भी भारतीय को गर्व से भर देता है। आज ही के दिन भारत का तिरंगा झंडा अस्तित्व में आया था और इसी उपलक्ष्य में तिरंगा दिवस का आयोजन किया जाता है। युवाओं का कहना है कि आज भी राष्ट्रीय ध्वज उन्हें जोश से भर देता है। यह तिरंगा ही है जो भारतियों को चाहे वे किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय, प्रांत आदि से हों, सभी को एक सूत्र में पिरोता है।

तिरंगा हमेशा ही हमें गर्व से भर देता है। न सिर्फ 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे पर्वों पर बल्कि किसी खेल प्रतियोगिता आदि में भी तिरंगा फहरने पर खुद को रोमांचित महसूस करते हैं।
बारिश रजक

झंडा देश की 150 करोड़ आबादी की आन-बान- शान का प्रतीक है ओलंपिक या किसी अन्य खेल के दौरान टीम या किसी खिलाड़ी को तिरंगा लेकर दौडता और दर्शकों का अभिवादन करते देखना रोमांच से भर देता है।
कंचन साहू,

हमारे देश में शहीद होने वाले जवान तिरंगे में लिपट कर वापस घर आते हैं। उस वक्त पूरा देश इनकी शहादत पर रोता है। यह तिरंगे की ही शक्ति है कि उसके लिए कोई भी अपने प्राणों का बलिदान करने के लिए तैयार रहता है
- मानसी रजक

तीन साल पहले हर घर तिरंगा जैसा अभियान चलाया गया था। हमारा दायित्व है कि हम तिरंगे की आन बान शान के लिए काम करें। राष्ट्रीय पर्व पर देश का हर युवा तिरंगा शान से लहराता है।
अमित नामदेव, युवा

गुना जिले के बमौरी में जननी को नहीं मिल सकी एम्बुलेंस, वीडियो वायरल

जननी की सुरक्षा के दावे की खुली पोल एंबुलेंस से पहले पहुंचाने के काम आए बैल

शफीक खान। गुना

जननी को सुरक्षा देने और सुरक्षित मातृत्व के बड़े-बड़े वायदे करने वाले स्वास्थ्य विभाग के दावों की उस वक्त पोल खुल गई, जब गुना जिले की बमौरी तहसील के एक गांव से जननी को सुरक्षित पहुंचाने के लिए एंबुलेंस से पहले बैलगाड़ी का सहारा लेना पड़ा। यही नहीं, इस जननी को अपने नवजात को बचाने के लिए बैलगाड़ी से काफी दूरी का सफर तय करना पड़ा।जिसके बाद जननी को एंबुलेंस तक लाया गया। इसके बाद एंबुलेंस उसे लेकर स्वास्थ्य केंद्र रवाना हुई।इस मामले का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद जब स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों से इस मामले में बात करना चाही तो वह चुप्पी साधते नजर आए।

दरअसल, गुना जिले की बमौरी तहसील डामरा डेरा गांव से सोमवार को एक ऐसी ही तस्वीर सामने आई,जिसने जननी सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी। यह तस्वीर थी डामरा डेरा गांव के उसे इलाके की जहां बीते रोज मिनकाबाई की घर पर डिलीवरी हुई थी। प्रसव के बाद जब परिजनों ने उसे अस्पताल ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया, तो वाहन काफी देर तक नहीं आया।प्रसूता के परिजनों को बताया गया कि गांव तक पक्की सडक़ नहीं है, और बरसात के चलते रास्ते में कीचड़ और दलदल है।इसके बाद जननी के परिजनों को बच्चे और जननी को सुरक्षित बचाना था तो उन्होंने एंबुलेंस वाले से निवेदन कर कुछ किलोमीटर पहले ही एंबुलेंस लाकर खड़ी करने की बात कही। इसके बाद परिजन नवजात बच्चे के साथ जननी मिनकाबाई को बैलगाड़ी में बैठाकर एंबुलेंस तक ले गए। इस दौरान जच्चा और बच्चा दोनों को ही खतरों भरा सफर तय करना पड़ा।जब बैलगाड़ी एंबुलेंस तक पहुंची तब कहीं जाकर जच्चा और बच्चा को उमरी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

स्वास्थ्य विभाग जवाब देने से बचता रहा

बमोरी तहसील के डामरा डेरा गांव में घर पर हुई मिनका बाई आदिवासी की डिलीवरी के बाद जच्चा और बच्चा को बैलगाड़ी से लाने और एंबुलेंस तक पहुंचाने की बात पर जब स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार सीएमएचओ डॉक्टर ऋषिश्वर और अन्य से बात करनी चाहिए तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। इस लापरवाही पर फिलहाल स्वास्थ्य विभाग मौन है।

पूरे जिले में ही बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था

वैसे तो पूरे गुना जिले में ही सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। पिछले दिनों एक 6 महीने के बच्चे को 24 घंटे तक बेहोशी की हालत में अस्पताल में पड़े रहने दिया गया। जिसके बाद उसे भोपाल के हमीदिया अस्पताल में रेफर किया गया। इस घटना से डॉक्टरों की लापरवाही का पता चलता है, और यह दर्शाता है कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कितनी खराब है। जिले के अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त संसाधनों की कमी का रोना पुराना है। अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सों, और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की कमी है। कई अस्पतालों में पर्याप्त बेड, साफ-सफाई, और अन्य बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा लापरवाही और अनदेखी की जाती है। इसके साथ ही मरीजों को बिना उचित इलाज के ही बड़े अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है।

खेत में पानी चलाते समय करंट लगने से युवक की मौत

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम करौंदी खुर्द में एक युवक की करंट लगने से मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई। जहां मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रामजी पिता नन्हेलाल यादव उम्र 26 वर्ष निवासी करौंदी खुर्द थाना तेजगढ़ है जो अपने खेत पर धान का रोपा लगाने का कार्य कर रहा था और खेत में पानी भी दे रहा था उसी दौरान खेत में लगी पानी की मोटर की चपेट में आने से युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई चक्रेश यादव ने बताया कि घटना दोपहर 1 बजे के आसपास की है, जब मेरा छोटा भाई खेतों में रोपा लगाने के लिए पानी चला रहा था। उसी दौरान यह घटना घटित हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करते शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया हौ पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही।

अशोकनगर जिला अस्पताल से हुई 8400 गोलियों की चोरी, पड़ताल जारी

अशोकनगर। जिला अस्पताल से मानसिक रोगियों के इलाज के लिए रखी गईं 8400 गोलियों की चोरी ने अब एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सवाल ये है कि क्या दवाएं गायब हुई हैं या गायब कराई गई हैं। चार दिन पहले शुरू हुई जांच अभी तक अधूरी है। जबकि टीम को तीन दिन में रिपोर्ट सौंपनी थी। जब मीडिया अस्पताल की स्थिति देखने पहुंचा तो सीएमएचओ डॉ.अलका त्रिवेदी पहले बाहर निकलते दिखीं, लेकिन जैसे ही कैमरे और रिपोर्टर नजर आए, वे तुरंत वापस लौट गईं। चौंकाने वाली बात ये रही कि, थोड़ी देर में एक कर्मचारी ने आकर चैनल गेट में ताला भी जड़ दिया, ताकि गलती से कोई मीडियाकर्मी अंदर आकर सवाल न कर लें।

कमरे में खून से लथपथ मिला शव

सागर। विनायका थाना क्षेत्र के रोड़ा गांव के एक कमरे में महिला का खून से लथपथ शव मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। महिला का पति बेटी को लेने उसकी ससुराल गया था और बेटा घर से कहीं चला गया। पुलिस को महिला की हत्या में किसी नजदीकी पर शक है। मामले में जांच की जा रही है। विनायका थाना प्रभारी भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि रोड़ा गांव निवासी 55 वर्षीय जमुना लोधी का शव सुबह कमरे में मिला है। सिर पर चोट के निशान हैं। वह पति और बेटे के साथ रहती थी। पति अपनी बेटी को ससुराल से लाने के लिए गया था, जबकि बेटा उसी के साथ था। वह वारदात के बाद से गायब है। पुलिस कुछ संदेहियों की तलाश कर रही है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।

सागर जिले के 4 सरपंच और दमोह के एक जनपद सदस्य के लिए आईपीबीएमएस से हुआ मतदान

सागर। दोपहर मेट्रो

पंचायत उप निर्वाचन 2025 में त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त पद के लिये मंगलवार को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक मतदान हुआ। सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान हुआ। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि इनमें से सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के निर्वाचन के लिये 9 मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से मतदान कराया गया। इन मतदान केन्द्रों की मतदान प्रकिया का सीधा प्रसारण भी हुआ। इसके लिये राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के सामने तथा सागर और दमोह में एक-एक स्क्रीन लगाई गई।

सागर जिले के जनपद पंचायत जैसीनगर की ग्राम पंचायत अगरा, औरिया, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा और जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमरालहरिया के मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान कराया गया। शेष पदों पर पूर्व की भांति मतदान कराया गया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेस बूथ की नवीन पहल की गई है। इसमें मतदान केन्द्रों में मतदाता और मतदानकर्मियों द्वारा किये जाने वाला पूरा काम डिजिटल माध्यम से किया जाता है। उल्लेखनीय है कि इस नवीन पहल के तहत वर्ष 2024 में भोपाल जिले के बैरसिया तहसील की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर और रीवा जिले के अतरैला ग्राम पंचायत के सरपंच पद के लिये मतदान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। जनपद पंचायत सदस्य के लिये पहली बार इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान करवाया जा रहा है।

स्वसहायता समूहों और राशन दुकान पर अफसरों का कोई नियंत्रण नहीं, पीएम श्री स्कूल में बंद पड़ा है मध्याह्न भोजन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से दो किलोमीटर दूर पीएम श्री एकीकृत माध्यमिक शाला बम्हौरी पाँजी में 21 दिनों से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को मध्याह्न भोजन नहीं मिल रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि मध्याह्न भोजन योजना बच्चों के पोषण और शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। शासन द्वारा इस योजना के तहत, छात्रों को मुफ्त पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है, जिससे उनकी उपस्थिति और स्वास्थ्य में सुधार हो लेकिन बम्होरी पाँजी में जो समूह बच्चों को मध्यान भोजन देते हैं उन्होंने 1 जुलाई से मध्यान भोजन देना बंद कर दिया है। ज्ञात हो कि इस शाला में किचिन सेट भी नहीं है जिसके कारण गांव से भोजन बनकर आता है मध्यान भोजन नहीं मिलने से बच्चों में निराशा है। इस संबंध में जब शाला प्रबंधन ने समूह से बात की तो समूह वालों का कहना था कि उनका राशन नहीं मिल रहा है जिसके कारण वह मध्यान भोजन नहीं दे पा रहे हैं। वहीं राशन दुकान वाले से जब इस संबंध में बात की गई तो उनका कहना था कि हमें मिलने वाला आवंटन मशीन में घट नहीं रहा है जिसके कारण जितना राशन हमें मिल रहा है उतना राशन दे रहे हैं। हैरानी की बात है स्कूल की मॉनिटरिंग एवं अधिकारियों को मौखिक एवं लिखित जानकारी देने के बावजूद 21 दिन गुजर जाने पर भी इसका हल नहीं निकल सका है। जबकि इस एकीकृत शाला में 170 बच्चे दर्ज हैं उस पर यह शाला पीएम श्री है जो इसी वर्ष से पीएम श्री हुई है कोई भी इस व्यवस्था को देखने वाला कोई नहीं प्राथमिक शाला में राधा कृष्ण स्वः सहायता समूह द्वारा मध्यान भोजन दिया जाता है वहीं माध्यमिक शाला में प्रगति स्वः सहायता समूह द्वारा मध्यान भोजन दिया जाता है लेकिन दोनों ही समूह से दोनों स्कूलों में मध्यान भोजन नहीं आ रहा है। इस संबंध में जब दोनों समूह संचालकों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वर्ष नवंबर 2024 से जुलाई 2025 तक का राशन उनका बाकी है इस संबंध में हमने यहां से लेकर दमोह के अधिकारियों को भी सूचित कर दिया है। राशन दुकान वाला राशन नहीं दे रहा है जबकि दमोह के अधिकारियों ने कहा है कि आपको मिलने वाला आवंटन मशीन में घट रहा है।

जनपद सीईओ, एसडीएम के संज्ञान में भी है मामला

मेट्रो एंकर मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, दर्शन मात्र से पूर्ण होती है हर मनोकामना

अनूठी है अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ की महिमा

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

पशुपतिनाथ मंदिर शहर में स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इसकी कहानी एक धोबी और एक पत्थर से जुड़ी है, जिस पर वह कपड़े धोता था। कहा जाता है कि एक दिन भगवान शिव ने उसे सपने में दर्शन दिए और बताया कि वह पत्थर उनका अष्टमुखी रूप है।

यह मंदिर शिवना नदी के तट पर स्थित है और यहां अष्टमुखी शिवलिंग की पूजा की जाती है। मान्यता है कि भगवान शिव के ये आठ मुख जीवन की चार अवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं बाल्यवस्था, किशोरावस्था, युवावस्था और प्रौढ़ावस्था। यह मंदिर पशुपतिनाथ परंपरा से संबंधित है, जो शैव धर्म की 6 प्रमुख परंपराओं में से एक है।

मंदिर की कहानी: एक धोबी, जिसका नाम उदा था, मंदसौर में रहता था और शिवना नदी के किनारे एक पत्थर पर कपड़े धोता था। एक रात, भगवान शिव ने उसे सपने में दर्शन दिए और कहा कि वह पत्थर उनका अष्टमुखी रूप है। उदा ने यह बात अपने साथियों को बताई और सबने मिलकर उस पत्थर को नदी से बाहर निकाला। यह पत्थर इतना भारी था कि 16 बैलों की जोड़ी भी उसे खींच नहीं पा रही थी, लेकिन लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। फिर, उस पत्थर को मंदिर में स्थापित किया गया और भगवान पशुपतिनाथ के रूप में पूजा जाने लगा।

ये है यहां की विशेषताएं

- **अष्टमुखी शिवलिंग :** यह मंदिर अपनी अष्टमुखी शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है, जो पूरे विश्व में अद्वितीय है।
- **शिवना नदी :** मंदिर शिवना नदी के तट पर स्थित है, जो इसे और भी पवित्र बनाती है।
- **पशुपतिनाथ परंपरा :** यह मंदिर शैव धर्म की पशुपतिनाथ परंपरा से संबंधित है।
- **ऐतिहासिक महत्व :** मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है और यह मंदसौर का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

लोकसेवा केन्द्रों का लगातार करें निरीक्षण, सभी व्यवस्थाओं की लें जानकारी: कलेक्टर

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार को निर्देशित किया है कि जिले में संचालित सभी लोकसेवा केन्द्रों का लगातार निरीक्षण करें एवं लोकसेवा केंद्र पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह प्रमुखता से देखें कि लोकसेवा केन्द्रों पर उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की शुल्क सूची मुख्य सूचना पटल पर चस्पा की गई है कि नहीं। साथ ही यह भी देखें की लोक सेवा केंद्र संचालक के द्वारा समय सीमा में सेवाओं को प्रदान किया जा रहा है कि नहीं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी लोक सेवा केंद्र पर पेयजल की सुविधा एवं बैठने के लिए बेंच कुर्सी की व्यवस्था है कि नहीं। उन्होंने कहा कि सभी लोक सेवा केन्द्रों पर आने वाले आवेदनों के लिए जो रजिस्टर संधारित है उसकी जांच करें एवं ली जाने वाली शुल्क की भी जांच की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसेवा केंद्रों कहीं भी कोई गड़बड़ी प्राप्त होती है तो तत्काल कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि केंद्र पर उपस्थित व्यक्तियों से चर्चा करें औरकेंद्र के द्वारा ली गई शुल्क एवं प्रदान की जाने वाली सेवाओं की जानकारी लें।

फिडे महिला विश्व कप, क्वार्टर फाइनल में चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेफा में स्थान किया पक्का

कोनेरू हंपी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय, वैशाली को हार मिली

बटुमी, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने जॉर्जिया के बटुमी में खेले जा रहे फिडे महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। वह यहां तक का सफर तय करने वाली पहली भारतीय महिला चेस खिलाड़ी हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। हम्पी ने क्वार्टर फाइनल के खेले गए दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोका। इससे पहले उन्होंने शनिवार रात बटुमी में दो गेमों की क्वार्टर फाइनल सीरीज का पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली थी।

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, हरिका द्रोणावल्ली और उभरती हुई स्टार दिव्या देशमुख के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, इनमें से एक का सेमीफाइनल में जाने पर फैसला दूसरे गेम के बाद होगा। इससे पहले हम्पी ने स्विट्जरलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची इस

टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वैशाली को मिली हार वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

अक्टूबर-नवंबर में शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

भारत इस साल 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूनार्मेंट के क्वालिफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस टूनार्मेंट की मेजबानी की थी। तब विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था।आगामी प्रतियोगिता में खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा, विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करेंगे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, विश्व कप 2023 के उपविजेता आर प्रज्ञानानंद और वर्तमान में विश्व में पांचवें नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस पर प्रतियोगिता में भाग लेंगे। फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हम फिडे विश्व कप 2025 को भारत में आयोजित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि यह एक ऐसा देश है जहां शतरंज के प्रति काफी जुनून है।

अब मैनचेस्टर में क्या करेंगे कैप्टन शुभमन गिल?

2 खिलाड़ी पहले ही इंजर्ड, एक के खेलने पर सस्पेंस...

तेज गेंदबाज आकाश दीप ने हल्की गेंदबाजी तो की, लेकिन पूरी तरह से फिट नहीं दिखे

मैनचेस्टर, एजेंसी

जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर तस्वीर अब भी साफ नहीं है। पेसर आकाश दीप पूरी तरह फिट नहीं हैं, ऐसे में अंशुल कम्बोज को डेब्यू का मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी पूरे दौरे से बाहर हो चुके हैं, जबकि अर्शदीप सिंह भी फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। करुण नायर की जगह बरकरार रहेगी या साई सुदर्शन को मौका मिलेगा, इस पर भी अंतिम फैसला होना बाकी है।

टीम इंडिया ने चौथे टेस्ट से पहले सोमवार को अपना पहला आउटडोर ट्रेनिंग सेशन किया। इस दौरान तेज गेंदबाज आकाश दीप ने हल्की गेंदबाजी तो की, लेकिन पूरी तरह से फिट नहीं दिखे। लॉर्ड्स टेस्ट के बाद से वह ग्रोइन इंजरी (जांघ की चोट) से जूझ रहे हैं। कोच मॉर्न मोर्कल की निगरानी में उन्होंने गेंदबाजी की। इसके बाद आकाश दीप सिर्फ दर्शक की तरह साइडलाइन पर खड़े रहे, उनके साथ अर्शदीप सिंह भी दिखे, जो हाथ की चोट के कारण पहले ही बाहर हो चुके हैं। अगर आकाश दीप भी फिट नहीं हुए, तो जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में टीम को प्रसिद्ध कृष्णा या अंशुल कम्बोज में से किसी एक को चुनना होगा।

अंशुल कम्बोज को डेब्यू करने का मिल सकता है मौका

हरियाणा के अंशुल कम्बोज जो अर्शदीप के कवर के तौर पर टीम से जुड़े थे, उन्हें सोमवार को टीम में शामिल कर लिया गया। इसका मतलब है कि उन्हें डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। कम्बोज ने नेट्स में करीब एक घंटे तक तेजी से गेंदबाजी की। उनके साथ सिराज, बुमराह, प्रसिद्ध और शार्दुल ठाकुर भी गेंदबाजी कर रहे थे। कम्बोज ने हल्की बल्लेबाजी भी की, जिससे ये भी संकेत मिला कि वो नीतीश रेड्डी की जगह ऑलराउंडर विकल्प हो सकते हैं। सिराज ने प्रैक्टिस सेशन के दौरान आक्रामक गेंदबाजी की, खासकर शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के खिलाफ। वहीं बुमराह ने फील्ड पर आकर गेंदबाजी की, क्योंकि प्रैक्टिस पिच थोड़ी फिसलन भरी थी।

ऋषभ पंत हुए फिट, क्या खेलेंगे मैनचेस्टर टेस्ट?

नेट सेशन के दौरान सभी की निगाहें ऋषभ पंत पर भी थीं, उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में कीपिंग नहीं की थी क्योंकि दूसरे टेस्ट के पहले दिन उनकी उंगली में चोट लग गई थी। पांचवें दिन जब वो बल्लेबाजी कर रहे थे तो जोफ्रा आर्चर की गेंदों का सामना करते हुए दर्द हो रहा था। लेकिन इस ट्रेनिंग सेशन में पंत ने बिना किसी परेशानी के कीपिंग की और लगभग एक घंटे तक बल्लेबाजी भी की। पंत ने सिराज, कम्बोज और प्रसिद्ध के खिलाफ आराम से बल्लेबाजी की और कोई दिक्कत नहीं दिखाई दी।

करुण नायर या साई सुदर्शन? किस मिलेगा मौका?

करुण नायर की जगह को लेकर भी चर्चा है। हालांकि उन्होंने प्रैक्टिस में अच्छी बल्लेबाज़ी की। वहीं साई सुदर्शन भी नेट्स में पूरे आत्मविश्वास के साथ खेले और स्लिप में कैचिंग प्रैक्टिस भी की। माना जा रहा है कि वो नायर की जगह ले सकते हैं। नीतीश रेड्डी के भारत लौटने के बाद यशस्वी जायसवाल भी स्लिप में कैचिंग प्रैक्टिस करते दिखे।

मोहम्मद अली के रिकॉर्ड की बराबरी

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के उसिक बने हैवीवेट चैंपियन

लंदन, एजेंसी

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के 38 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज ओलेक्जेंडर उसिक ने वेम्बली स्टेडियम में ब्रिटेन के डैनियल डुबोइस को पांचवें राउंड में नॉकआउट कर दोबारा निर्विवाद विश्व हैवीवेट चैंपियन का खिताब हासिल किया। उसिक ने डुबोइस को एक जोरदार बाएं हुक से हराया, जिससे वह विश्व मुक्केबाजी संघ, परिषद और संगठन के बेल्ट्स बरकरार रखने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ बेल्ट भी वापस जीतने में सफल रहे। उसिक ने पिछले साल फ्यूरी को दो बार हराकर निर्विवाद हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता था। एजेंसी उसिक अब दो बार खिताब जीतने वाले लीजेंड मोहम्मद अली और फ्लोएड पैटरसन के बाद तीसरे खिलाड़ी बन गए। उसिक ने कहा, मैंने साढ़े तीन महीने तैयारी की और इस दौरान परिवार और अपनी पत्नी को नहीं देखा। मैं घर वापस जाना चाहता हूं। यूट्यूबर जैक पॉल ने उन्हें एमएमए फाइट का नियौता दिया है।

निशांत की लगातार तीसरी जीत – भारतीय पेशेवर मुक्केबाज निशांत देव ने अमेरिकी मुक्केबाज लक्वान इवांस को हराया। 24 वर्षीय निशांत ने मुकाबले के छठे राउंड में 1¬58 मिनट पर टेक्निकल नॉकआउट से जीत हासिल की। यह उनकी लगातार तीसरी जीत रही। 2023 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता निशांत ने इवांस पर लगातार प्रहार किए, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया।

अनुष अग्रवाला ने जर्मनी में ड्रेसेज स्पर्धा जीती

हॉफगेइसमर (जर्मनी)। भारत के अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ जुबिलमर्स्टिनयर हॉफगेइसमर ओपन के ड्रेसेज स्पर्धा में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले अग्रवाला ने 69.891 प्रतिशत अंकों के प्रभावशाली स्कोर के साथ छह खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसमें बाकी के अन्य प्रतियोगी जर्मनी के थे। पिया पियोट्रोव्स्की और कथरीना हेमर क्रमश¬दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। यह जीत इस जोड़ी के लिए 'एस' स्तर पर पहली सफलता है। अग्रवाला और सात साल की उनकी इस मादा घोड़े की यह एकसाथ सिर्फ दूसरी प्रतियोगिता थी। अग्रवाला ने कहा, मैं फ्लोरियाना पर अविश्वसनीय रूप से गर्व महसूस कर रहा हूं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

10 साल पहले बने ऑनस्क्रीन श्रीकृष्ण, सौरभ राज जैन बोले- आज भी हाथ जोड़ते हैं लोग...

टीवी के मशहूर एक्टर सौरभ राज जैन ने नए शो 'तू धड़कन मैं दिल' से वापसी की है। सौरभ टीवी इंडस्ट्री में कई यादगार किरदार निभा चुके हैं, लेकिन वो सबसे ज्यादा 'महाभारत' में श्रीकृष्ण के रोल के लिए फेमस हुए। वो खुद महाभारत को उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सक्सेसफुल प्रोजेक्ट बताते हैं। इतना ही नहीं आज भी लोग उन्हें उसी किरदार से जोड़कर देखते हैं। सौरभ बताते हैं कि महाभारत में श्रीकृष्ण का किरदार निभाना उनके लिए अलग एक्सपीरियंस साबित हुआ है। कई फैंस उनके आगे हाथ जोड़कर उन्हें प्रणाम करते हैं। बावजूद इसके कि शो को ऑफ एयर हुए 10 साल हो चुके हैं। सौरभ को आज भी फैंस श्रीकृष्ण के रूप में देखते हैं। बातचीत में सौरभ ने बताया कि आज भी लोग मुझे नमस्ते करते हैं, दोनों हाथ जोड़कर 'कृष्ण जी' बुलाते हैं। ये जो भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव है, वो नहीं खत्म होता। मुझे लगता है कि ये मेरे लिए गिफ्ट है, जिसका मैं आभारी हूं। लेकिन दर्शकों ने मुझे हमेशा ये मौका दिया कि मैं खुद को बदल पाऊं, आगे बढ़ पाऊं। हर नए किरदार के साथ मैं अपने अंदर की अलग परतों को तलाशने की कोशिश करता हूं। ये अतीत को भूलने के बारे में नहीं है, बल्कि अपनी एक्टिंग के कैनवस को बड़ा करने के बारे में है।

तू धड़कन मैं दिल की क्या है कहानी?

अपनी नई सीरीज 'तू धड़कन मैं दिल' के बारे में सौरभ ने कहा कि, ये कोई आम टीवी सोप की तरह नहीं है। इसमें बहुत गहरी और भावनात्मक कहानी है। ये एक छोटी बच्ची की कहानी है, जो चाहती है कि उसके माता-पिता साथ रहें। लेकिन वो अपने पिता से कभी नहीं मिल पाती, और इसी दौरान उसकी मां भी प्यार के बदले दर्द का अनुभव करती है।

सैयारा तो बस ट्रेलर था

बॉलीवुड देने वाला है मूवी लवर्स को कई शानदार रोमांटिक फिल्में

डायरेक्टर मोहित सूरी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर तूफान लेकर आई है। ऑडियंस की तरफ से फिल्म को जबरदस्त प्यार मिल रहा है। सोशल मीडिया पर युवाओं के कई फोटो वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें देखा जा सकता है कोई आंसू बहा रहा है तो कोई ड्रिप के साथ फिल्म देखने पहुंच रहा है। लगातार रिलीज हो रही एक्शन फिल्मों के बीच सैयारा ने जो एंट्री मारी है, उससे साबित हो गया कि ऑडियंस काफी लंबे समय से किसी रोमांटिक लव स्टोरी का इंतजार कर रही थी। भारतीय ऑडियंस में हमेशा से एक गहरी लव स्टोरी के लिए भूख रही है। सैयारा की सफलता साबित कर रही है कि दिल टूटने, रिश्तों में आ रही मुश्किल, लव ट्रायंगल और रोमांटिक गानों से सजी क्लासिक फिल्में आज भी ऑडियंस की लिस्ट में पहले नंबर पर है। अगर आप सैयारा देख चुके हैं और आपको और क्लासिक रोमांस फिल्में देखने का मन है तो आपके लिए अच्छी खबर है। क्योंकि आने वाले महीनों में बॉलीवुड में कई रोमांटिक फिल्में आने वाली हैं। जानें उनके बारे में।

धड़क 2– सिल्वर स्क्रीन पर सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी दिखेगी। फिल्म में नीलेश और विधिशा की

प्रेम कहानी की दास्तां से फैंस रूबरू होंगे। अंतरजातीय प्रेम कहानी जैसे कठिन सब्जेक्ट पर बनी ये फिल्म शाजिया इकबाल के डायरेक्शन में बनी है। फिल्म 1 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

परम सुंदरी– जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की परम सुंदरी साल की मचअवेटेड फिल्मों में से एक है। अंतरसांस्कृतिक रिश्तों पर आधारित यह रोमांस ड्रामा 25 जुलाई 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ये फिल्म अगस्त या सितंबर में रिलीज होगी। डायरेक्टर ने कुछ दिन पहले फिल्म का पहला लुक जारी किया था और इस पर जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिले थे।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी– जाह्नवी कपूर की एक और रोमांटिक कॉमेडी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। हालांकि फिल्म को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी हासिल नहीं हुई है। लेकिन इसे बद्रीनाथ की दुल्हनिया और हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया जैसी ही फिल्म बताया जा रहा है।

दे दे प्यार दे 2– अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह फिल्म दे दे प्यार दे 2 के साथ वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फ्रैंचाइजी के दूसरे सीक्वल में आर माधवन भी हैं। इसकी 2025 के अंत में रिलीज होने की संभावना है।

मेट्रो बाजार

भारत में 70,000 करोड़ रुपये का निवेश जारी रखेंगे: नायरा एनर्जी

नई दिल्ली। दिग्गज रूसी कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी ने सोमवार को अपनी रिफाइनरी से जुड़ी डाउनस्ट्रीम परियोजनाओं में 70,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की अपनी योजना की पुष्टि की। इसके साथ ही कंपनी ने यूरोपीय संघ की तरफ से खुद पर लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों को अन्यायपूर्ण और भारत के हितों के लिहाज से नुकसानदेह बताया।

रोसनेफ्ट ने भी एक दिन पहले अपनी भारतीय इकाई नायरा एनर्जी पर लगाए गए प्रतिबंधों को अनुचित, अवैध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा करार दिया था।

नायरा ने अपने बयान में कहा कि यूरोपीय संघ के प्रतिबंध 'लाखों भारतीय नागरिकों और उद्योगों के लिए आवश्यक पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति को बाधित करने का जोखिम पैदा करते हैं।' यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई के विरोध में यूरोपीय संघ ने अपने प्रतिबंधों की 18वीं किस्त पिछले हफ्ते मंजूर की थी। इन प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली कंपनियों में नायरा एनर्जी भी शामिल है।

नायरा ने कहा, ''हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि यूरोपीय संघ का यह एकतरफा कदम निराधार दावों पर आधारित है और अधिकार के अनुचित विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून एवं भारत की संप्रभुता की अनदेखी करता है।'' नायरा एनर्जी गुजरात के वडीनार में सालाना दो करोड़ टन तेल शोधन की क्षमता वाली रिफाइनरी और देशभर में 6,750 से अधिक पेट्रोल पंप का

संसदीय समिति ने टीडीएस रिफंड दावों व ट्रस्ट के कराधान में बदलाव का सुझाव दिया

नई दिल्ली। नए आयकर विधेयक की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति ने सोमवार को सुझाव दिया कि व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के नियत तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। संसदीय समिति ने यह सुझाव भी दिया कि धार्मिक एवं परमार्थ न्यासों को दिए गए गुमनाम दान को कराधान से मुक्त रखा जाए। आयकर विधेयक-2025 की समीक्षा के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में लोकसभा की प्रवर समिति का गठन किया गया था। पांडा ने सोमवार को लोकसभा में यह रिपोर्ट पेश की। समिति ने आयकर विधेयक, 2025 में बदलावों की सिफारिश की है। यह छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। संसदीय समिति ने सुझाव दिया कि गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ), विशेष रूप से धर्मार्थ और परमार्थ उद्देश्यों वाले संगठनों

के लिए गुमनाम दान पर कर लगाने के संबंध में अस्पष्टता को दूर किया जाना चाहिए। समिति ने गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओ) की 'प्राप्तियों' पर कर लगाने का विरोध किया, क्योंकि यह आयकर अधिनियम के तहत वास्तविक आय कराधान के सिद्धांत का उल्लंघन है। सुझावों में 'आय' शब्द को फिर से लागू करने की सिफारिश की गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल एनपीओ की शुद्ध आय पर ही कर लगाया जाए। यह देखते हुए कि पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले 'गुमनाम दान के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर' है।

बाइक रेलवे ट्रैक के पास खड़ी कर युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सलैया अंडर ब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से पुलिस ने एक युवक की लाश बरामद की है। लाश दो हिस्सों में कटी हुई थी। रेलवे ट्रैक से कुछ दूरी पर मिली बाइक से मृतक की शिनाख्त करते हुए परिजन को घटना की सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे मृतक के पिता ने उसकी शिनाख्त कर ली। शव पीएम के बाद पिता को सौंप दिया गया है। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अंकित चौधरी पिता श्रीराम चौधरी (21) हिनौतिया कोलार में रहता था। अंकित और उसके पिता पुताई का ठेका लेते थे। अंकित के पिता श्रीराम चौधरी ने बताया कि अंकित रविवार को उनके साथ पुताई करने गया था। शाम को साथ काम से लौटा। 21साल के युवक के शरीर के हुए दो हिस्से इसके बाद सात बजे बाइक लेकर घर से निकला था। इसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं था। इधर, सोमवार सुबह पुलिस ने उसकी लाश सलैया अंडर ब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से क्षत विक्षत अवस्था में बरामद की। पास खड़ी बाइक का नंबर वीडीपी पोर्टल पर सर्च करने पर अंकित के पिता से संपर्क हुआ था। पिता से पूछताछ में आत्महत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

टीआई रूपेश दुबे की हालत गंभीर, आईसीसीयू में भर्ती

भोपाल। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे की हालत में सुधार नहीं हो रहा है। उनकी स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल में आईसीसीयू में चल रहा है। डॉक्टर्स उनकी जान बचाने भरपूर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन स्थिति सुधरती नजर नहीं आ रही है। टीआई के परिजन अस्पताल में है और मदद के लिए पुलिस की टीम लगाई गई है। बयान देने की स्थिति में नहीं, परिजन के भी नहीं हो सके बयान उल्लेखनीय है कि निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने रविवार शाम कोई जहर खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर उनकी पत्नी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंची थी। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनकी स्थित गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी जोन-4 जितेंद्र पवार सहित आलाधिकारी उनके मिलने अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उनकी स्थिति देखते हुए मुलाकात नहीं की। स्वास्थ्य में सुधार होने की उम्मीद जता रहे डीसीपी जितेंद्र पवार का कहना है कि अभी तक इस आत्मघाती कदम का कोई कारण नहीं आया है। उनका कहना है कि कारण गंभीर है, लेकिन रूपेश के होश में आने के बाद बयान में ही पता चल सकेगा कि उन्होंने यह कदम क्यो उठाया। उनकी पत्नी और परिजन अभी रूपेश के स्वास्थ्य को लेकर परेशान है उनके भी बयान दर्ज नहीं किए है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः मूल भावना और अवधारणाओं से अवगत हुए शिक्षक

भोपाल। राजधानी स्थित आईईएस विश्वविद्यालय एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में से एनईपी ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन पर एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की मूल भावना को समझाना, उसे उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रभावी रूप से लागू करना तथा शिक्षकों को उसकी व्यापक अवधारणाओं से अवगत कराना था। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम के प्रमुख विषयों में समग्र एवं बहु-विषयी शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा का एकीकरण, टेक्नोलॉजी एवं आईसीटी का प्रभावी उपयोग, समय प्रबंधन एवं अनुशासन की भूमिका, और शिक्षा व उद्योग के मध्य समन्वय जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित चर्चा की गई। आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी के फैकल्टी ट्रेनर्स द्वारा ऑनलाइन संचालित इस कार्यक्रम में कुल 85 फैकल्टी सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में यह विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि किस प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे योग, आयुर्वेद, वास्तु, दर्शन और लोक परंपराएंरू भविष्य की शिक्षा का मूल आधार बन सकती हैं। यह न केवल छात्रों में सांस्कृतिक आत्म-गौरव उत्पन्न करती हैं बल्कि चिंतनशील, नैतिक और नवाचारी सोच को भी बढ़ावा देती हैं। एनईपी 2020 के अनुसार, अब छात्रों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि उन्हें आजीवन सीखने, कौशल विकास, और रोज़गार-उन्मुख शिक्षा की दिशा में प्रेरित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरण के साथ हुआ।

मप्र पुलिस के स्पेशल डीजीपी स्व मनीषशंकर शर्मा के जीवन और कार्यों पर आधारित फिल्म 'ज्योतिर्मय' के लिए युवा फिल्मकार 'आदित्य कुमार चौरसिया' को सम्मानित किया गया।फिल्म 'ज्योतिर्मय' में स्व. शर्मा के व्यक्तित्व, उनके कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील अधिकारी के रूप में जीवन की प्रेरक झलकियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और पूर्व मुख्य सचिव केएस. शर्मा मौजूद थे।

पहले सीट पर बैठने को लेकर किया विवाद फिर मौका मिलते ही बैग से निकाली नगदी

भोपाल-बीना एक्सप्रेस में महिला यात्री के बैग से 20 हजार निकालकर चोर चंपत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल-बीना एक्सप्रेस के जनरल कोच में सफर कर रही महिला के बैग से एक अज्ञात युवक ने 20 हजार रुपए निकाले और चलती टेःन से कूदकर भाग निकला। इससे पहले सीट पर बैठने को लेकर उसका महिला से विवाद हुआ था। जीआरपी थाना भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इसके अलावा अन्य वारदात में भी बदमाश यात्रियों का सामान चुराकर ले गए।

जीआरपी भोपाल के मुताबिक बासौदा थाना गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी इमरती बाई पत्नी वीरेन्द्र यादव (48) विगत 20 जुलाई को ट्रेन भोपाल बीना मेमो एक्सप्रेस से भोपाल से गंजबासौदा की यात्रा करने के लिए रेलवे स्टेशन भोपाल पहुंची थीं। वह जनरल कोच में जाकर बैठीं तो उनका सीट पर बैठने को लेकर एक लडके से विवाद होने लगा। उसी दौरान महिला ने अपना बैग सीट पर साइड में रख दिया। विवाद के दौरान ही लडके ने बैग से 20 हजार रुपए नगद निकाल लिए और चलती ट्रेन से नीचे कूद गया। महिला ने पीछा करने की कोशिश की लेकिन ट्रेन की गति होने के कारण वह नाकाम रहीं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पैसा ट्रांसफर कराने के नाम पर मोबाइल ले उड़ा बदमाश जीआरपी कमलापति के मुताबिक भोपाल निवासी रूपेश कुमार विगत 19 जुलाई को रानी कमलापति से हाजीपुर जाने के लिए अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस में सवार होने के लिए रानी कमलापति स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-एक पर पहुंचे। वह ट्रेन के इंतजार में खड़े थे। तभी एक अंजान व्यक्ति आया और उनसे कहा कि मोबाइल से बैंक में पैसे कैसे ट्रांसफर करते हैं। तब रूपेश कुमार ने अपने मोबाइल से उस अंजान व्यक्ति को तरीका बताया और अपना मोबाइल और एटीएम कार्ड उस व्यक्ति को दे दिया। उसी समय ट्रेन प्लेटफार्म पर आ गई। रूपेश ने अपना मोबाइल मांगा तो उसने कहा कि मैं भी पटना चल रहा हूं। आपका मोबाइल मेरे पिट्ठू बैग में रखा है। दोनों ट्रेन में सवार सवार थे। उस व्यक्ति ने ट्रेन की सीट पर अपना पिट्ठू बैग रख दिया और अपने साथी को छोड़ने के लिए नीचे उतर गया, लेकिन ट्रेन चलने के बाद भी वह व्यक्ति ट्रेन में नहीं चढ़ा। फरियादी रेलवे स्टेशन ललितपुर पर उतरे और ललितपुर से वापस अपने घर आकर परिजन को घटना की जानकारी दी। परिजन के साथ ही वह जीआरपी थाना कमलापति पहुंचे और अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। पातालकोट एक्सप्रेस से यात्री का पिट्ठू बैग चोरी पार्श्व स्तुति कॉलोनी भोपाल निवासी रमाकांत तिवारी शिकायत करते हुए बताया कि 20 जुलाई को वह ललितपुर से भोपाल की यात्रा परिवार के साथ पातालकोट एक्सप्रेस में कर रहे थे। उनका एस-4 बर्थ नंबर 79,80 पर रिजर्वेशन था। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना बैग सीट नंबर 80 पर उपर रख दिया। निशातपुरा आउटर पर ट्रेन आने के बाद देखा तो सीट पर रखा उनका पिट्ठू बैग नहीं था। पिट्ठू बैग के अंदर एक लेडीस पर्स था। पर्स में 10 हजार रुपए की नगदी, चार साड़ी, दो टीशर्ट, चार जोडी बच्चो के कपडे ,बच्ची का नया बैग ,टिफिन स्टील सहित अन्य कपड़े थे। कोई अज्ञात चोर मय बैग के सामान चुराकर ले गया। उनके बैग में नगदी सहित कुल बीस हजार रुपए का सामान था।

नर्मदा एक्सप्रेस में महिला यात्री का लेडीज पर्स चोरी नर्मदा एक्सप्रेस में अनूपपुर से इंदौर की यात्री कर रही महिला का अज्ञात बदमाश ने पर्स चुरा लिया। पर्स में दो हजार आठ सौ रुपए की रुपए की नकदी और मोबाइल सहित कॉस्मेटिक सामान था। जीआरपी ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार निर्मला देवी पटेल पति शिव प्रसाद पटेल (49) जैतहरी रोड, जिला न्यायालय के पीछे थाना अनूपपुर में रहती हैं। उन्होंने भोपाल जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि वे नर्मदा एक्स के कोच एस-7, वर्थ नंबर 39 पर अनूपपुर से इंदौर की यात्रा कर रही थी।

भैरो बाबा के मंदिर से चोरी चांदी का मुकुट बरामद, दो गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जमूसर कलां में भैरो मंदिर से चांदी का मुकुट चुराने का मामला सामने आया है। मंदिर में चोरी होने से ग्रामीणों में गुस्सा व्याप्त था। लिहाजा पुलिस ने समय ना गंवाते हुए दो चोरों को गिरफ्तार कर उनके से चुराया गया चांदी का मुकुट बरामद कर लिया।

आरोपियों के पास से चोरी में इस्तेमाल की गई दो बाइक और मोबाइल भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार कमल सिंह पिता मिश्रीलाल ने शिकायत करते हुए बताया कि गत 19 जुलाई की शाम को पूजा करने के बाद उन्होंने भैरो बाबा मंदिर में ताला लगा दिया था। अगले दिन सुबह मंदिर का ताला टूटा मिला। इस दौरान मंदिर से भगवान भैरो बाबा के सिर से चांदी का मुकुट चोरी था। ग्रामीणों ने सरपंच के साथ मिलकर मुकुट की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की। टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आस-पास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही, तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए संदेही व्यक्तियों से गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दो संदेहियों ने मंदिर से मुकुट चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान रघुवीर जाटव पिता भंवरलाल जाटव (35) वर्ष, निवासी पत्तापुरा वर्धा, थाना शमशाबाद और अभिषेक जाटव पिता मायाराम जाटव (24) ग्राम डुगरिया, थाना बैरसिया के रूप में की गई। आरोपियों से चुराया गया तीस हजार रुपए का मुकुट। एक मोबाइल और दो बाइक बरामद की है।

नवनियुक्त शिक्षकों ने सौंपा लोकशिक्षण आयुक्त को ज्ञापन, संचालनालय पहुंचे शिक्षक

भोपाल। नव नियुक्त शिक्षक संगठन ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों की लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की गई है।?ज्ञापन में कहा कि प्रदेश में कार्यरत नवनियुक्त शिक्षकों को बीते तीन वर्षों से लंबित मंहगाई भत्ते का एरियर नहीं दिया जा रहा है। संबंधित अधिकारी, लोक शिक्षण संचालनालय से नवनियुक्त शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि पूरी न होने का हवाला देकर डीए का एरियर्स नहीं दे रहे हैं। जबकि इसका परिवीक्षा अवधि से इसका कोई संबंध नहीं है। शिक्षकों को वर्तमान में शासन द्वारा लागू महंगाई भत्ता तो दिया जा रहा है, लेकिन उसी महंगाई भत्ते का एरियर्स नहीं दिया जा रहा है, जबकि आईएफएमएस पोर्टल पर नवनियुक्त शिक्षकों के डीए एरियर्स भुगतान का प्रावधान है। ज्ञापन के माध्यम से शासकीय सेवा में 3 वर्ष पूर्ण कर चुके नवनियुक्त शिक्षकों को जुलाई माह की वेतन मे ही वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए एवं परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने संबंधी कार्य शीघ्र किए जाएं, ताकि वरिष्ठ कार्यालय से परिवीक्षा अवधि समाप्ति के आदेश जारी हो सके।

कॉलेज छात्रा को शादी का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर पुलिस ने एक कॉलेज छात्रा की रिपोर्ट पर जबलपुर में रहने वाले युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। दोनों की पहचान एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। उसके बाद उनके बीच दोस्ती हुई और युवक ने शादी का झांसा देकर शोषण करना शुरू कर दिया।

पिछले दिनों युवक ने शादी करने से इंकार किया तो पीड़िता ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय युवती कॉलेज में पढ़ती है। पिछले साल वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जबलपुर गई थी, जहां उसकी मुलाकात जावेद नामक युवक से हुई। बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई और फोन पर बातचीत होने। फरवरी 2024 में जावेद भोपाल आया और एमपी नगर स्थित एक होटल में ठहर गया। युवती उससे मिलने के लिए होटल पहुंची तो युवक ने शादी का झांसा देते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद वह लगातार भोपाल आकर युवती का शारीरिक शोषण करने लगा। पिछले दिनों जब युवती ने शादी करने का दबाव डाला तो उसने शादी करने से इंकार करते हुए फोन पर बातचीत करना भी बंद कर दिया। कई दिनों के प्रयास के बाद भी जब युवती का संपर्क जावेद से नहीं हुआ तो उसने थाने जाकर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम जल्द ही जबलपुर रवाना की जाएगी।

मेट्रो एंकर नशे से दूरी, है जरूरी अभियान

स्कूल में बच्चों ने पेंटिंग और रंगोली बनाकर नशामुक्ति का दिया संदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नशे से दूरी- है जरूरी विशेष अभियान के तहत अधिकारियों के मार्गदर्शन में राजधानी के प्रायः सभी क्षेत्रों में स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र में भी अभियान चलाया गया।

इसमें विद्यार्थियों ने रंगोली और पेंटिंग बनाकर नशे के खिलाफ जागरुकता का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस स्टॉफ द्वारा नशा से होने वाले भयावह परिणामों और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले विकारों, अवगत कराया गया। स्टूडेंट्स के ग्रुप द्वारा नशा मुक्ति आधारिक नुक्कड़ नाटक का मनमोहन मंचन करते हुए लोगों को नशा मुक्ति हेतु प्रेरित का संदेश दिया। रंगोली और पेंटिंग्सः महाराणा प्रताप शासकीय स्कूल जहागीराबाद, सीएम राइस स्कूल, अशोका गार्डन के नम्रता स्कूल, एमपी नगर के राठी क्लासेज, खुशीलाल होमियोपैथी महाविद्यालय कमला नगर, पीयूष पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल महाविद्यालय, शाहपुरा के सागर पब्लिक स्कूल तथा थाना गौतम नगर क्षेत्र के संदिप्नी स्कूल में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित कर नशा मुक्ति के संबंध में चित्रकला ,पेंटिंग ,रंगोली, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नशा मुक्ति के संबंध में व्याख्यानः पुलिस स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले नुकसान के संबंध में अवगत कराया गया और समस्त छात्रों को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाई गई। निबंध और पोस्टर प्रतियोगिताः स्कूलों में नशा मुक्ति के संबंध में चित्रकला, पेंटिंग, रंगोली, निबंध, और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करना।नशे से दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करना। समाज में नशा मुक्ति के लिए जागरुकता बढ़ाना'। चूनाभट्टी पुलिस खुशीलाश होम्योपैथी विद्यालय पहुंची पंडित खुशी लाल होम्योपैथी विद्यालय में थाना चुना भट्टी भोपाल द्वारा नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी के अंतर्गत चित्रकला निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक गण एवं लगभग डेढ़ सौ छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। सभी ने अपने विचार निबंध एवं चित्रकला के माध्यम से प्रस्तुत किए कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण की।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/पु.उपा./न.पु./भो/रनि/निविदा/475/25 दिनांकः- 16/07/2025

ई-निविदा सूचना

"मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 यथा संसोधित 2022" के नियमानुसार नगरीय पुलिस भोपाल क्षेत्रांतर्गत कार्य का विवरण में दर्शाये गये कार्य को कराये जाने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा शुल्क	अनुमानित व्यय राशि (जीएसटी सहित)	ईएमडी
1.	थाना यातायात नगरीय पुलिस भोपाल में स्टोर रूम का निर्माण कार्य	1,000/-	4,99,193/-	15,000/-

1. निविदा पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) नगरीय पुलिस भोपाल म०प्र० के नाम से बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑन लाईन जमा की जावेंगी ।
2 निविदा शुल्क ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य है। ईएमडी में पात्रतानुसार छूट प्राप्त की जा सकेगी।
3 म.प्र. पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in एवं www.mptenders.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है। साथ ही निविदा के संबंध में रक्षित निरीक्षक कार्यालय, पुराना कंट्रोल रूम से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

शेड्यूल-

निविदा पब्लिकेशन दिनांक	दिनांक 17/07/2025 के 12.00 बजे
निविदा डाउनलोड करने की दिनांक	दिनांक 17/07/2025 के 12.00 बजे से
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	दिनांक 06/08/2025 के 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 07/08/2025 के 12.00 बजे
प्रिबिड मीटिंग	दिनांक 23/07/2025 के 12.00 बजे
प्रिबिड मीटिंग एवं निविदा खोले जाने का स्थान	पुराना पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल

पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय)
नगरीय पुलिस, भोपाल

G-15949/25 "पॉवसो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022